राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार, 19 जनवरी 2026
वर्ष 14, अंक 276, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

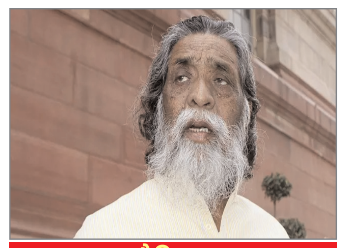

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

उफनाई नहर रिहायशी इलाकों में घुसा पानी, सैकड़ों बीघे फसल जलमग्न..03

निर्माणाधीन नाले की दो दिन पहले बनी दीवार ढही, कांग्रेस नेता ने उठाए सवाल..04

राजस्थान: बीएलओ के वीडियो पर बवाल, मतदाताओं के नाम हटाने के आरोप पर कांग्रेस-भाजपा आमने-सामने

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- राजस्थान के हवामहल क्षेत्र के एक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) का हाल ही में आत्महत्या करने की धमकी को लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद पक्ष और विपक्ष विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने की राजनीति को लेकर आमने-सामने हैं. वायरल वीडियो में जयपुर के हवा महल विधानसभा क्षेत्र के सरकारी शिक्षक बीएलओ कीर्ति कुमार को कथित तौर पर आत्महत्या की धमकी देते हुए सुना गया था, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि उन पर प्रक्रिया का पालन किए बिना मुस्लिम वोटर्स के नाम मतदाता सूची से हटाने का दबाव डाला जा रहा है. इस संबंध में अखबार से बात करते हुए कीर्ति कुमार ने दावा किया कि उन पर अपने इलाके से 450 नाम हटाने का 'भारी दबाव' था।

कीर्ति ने कहा, 'मैं इलाके के पार्षद से बात कर रहा था जो मुझ पर नाम हटाने का दबाव डाल रहे थे. प्रक्रिया का पालन किए बिना मैं यह कैसे कर सकता हूं? मेरा वीडियो वायरल होने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया और मुझे नियमों का पालन करने को कहा गया.' उल्लेखनीय है कि इस मामले के सामने आने के बाद कांग्रेस ने दावा किया कि यह राजस्थान भर में मतदाता सूची से नाम हटाने के व्यापक पैटर्न को दर्शाता है. पार्टी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एसआईआर के दौरान प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में हजारों अल्पसंख्यक और कांग्रेस समर्थक मतदाताओं के नाम हटाने के लिए पहले से भरे हुए फॉर्म 7 आवेदन जमा किए थे. हालांकि, इस आरोप को सत्तारूढ़ दल भाजपा ने पूरी तरह से खारिज़ किया है.

जयपुर नगर निगम (हेरिटेज) के वार्ड 13 के पार्षद सुरेश सैनी ने अपने ऊपर लगे आरोपों के जवाब में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से इनकार किया और दावा किया कि उनके क्षेत्र में 'बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी' हुई है. उन्होंने कहा, 'फर्जी पते का इस्तेमाल फर्जी मतदाताओं को पंजीकृत करने के लिए किया जा रहा है. मैंने आपत्ति जताई और सबूतों के साथ ऐसे नामों को हटाने के लिए आवेदन किया. यह कांग्रेस द्वारा मतदाता धोखाधड़ी के बराबर है।'

इस बीच, हवा महल से भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य, जिनका नाम बीएलओ के कथित वीडियो सामने आया था, ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर कांग्रेस के आरोपों को 'बेबुनियाद' बताया. उन्होंने कहा, 'ऐसा लगता है कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है. चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है जिसका उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया को जीवित रखना है. आयोग कुशलता से काम कर रहा है. कांग्रेस ने हाल ही में हुए उपचुनावों में राजस्थान में एक सीट जीती थी. उन्होंने तब आपत्ति क्यों नहीं जताई? कांग्रेस को वास्तविक मुद्दों पर लड़ना चाहिए।'

भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

गौरतलब है कि राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, भाजपा की ओर से मतदाता सूची से नाम हटवाने के लिए 18,896 फॉर्म 7 आवेदन जमा किए गए हैं, जबकि कांग्रेस ने केवल दो आवेदन जमा किए हैं. जिन लोगों ने अपना नाम हटवाने का दावा किया है, उनमें कांग्रेस पार्षद अकबर पठान भी शामिल हैं. इस संबंध में जयपुर के वार्ड नंबर 89 के पार्षद पठान ने अखबार से बात करते हुए दावा किया कि उनके नाम से जमा किए गए फॉर्म में गलत तरीके से यह बताया गया है कि वे जयपुर में नहीं रहते हैं. उन्होंने कहा, 'भाजपा का बीएलए (बूथ एजेंट) जिसने मेरे नाम से फॉर्म 7 आवेदन जमा किया है, वह मेरे घर के पास रहता है और मुझसे हर दिन मिलता है.' इस मामले को लेकर 17 जनवरी को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आदर्श नगर के विधायक रफीक खान ने भाजपा नेता रवि कुमार नैयर पर, जो 2023 के विधानसभा चुनावों में उनसे हार गए थे, 'झूठी जानकारी' का इस्तेमाल करके 400-500 नाम हटाने की सिफारिश करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा, 'विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया 15 जनवरी की समय सीमा से दो दिन पहले तक सुचारू रूप से चल रही थी, जब कांग्रेस समर्थित मतदाताओं के नाम हटाने के लिए कथित तौर पर साजिश रची गई. आदर्श नगर में अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में जाली फॉर्म 7 के माध्यम से हजारों नाम हटाने की सिफारिश की गई.' हालांकि, नय्यर ने किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से इनकार करते हुए दावा किया कि जिन नामों को हटाने की सिफारिश की गई थी, वे उत्तर प्रदेश और बिहार में रहने वाले लोगों के थे. इसी तरह अलवर में कांग्रेस ने आरोप लगाया कि कांग्रेस समर्थक मतदाताओं के नाम हटाने के लिए जिला कलेक्टर कार्यालय में लगभग 10,000 फॉर्म 7 आवेदन जमा किए गए हैं।

अलवर के किशनगढ़-तिजारा में कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष बलराम यादव ने दावा किया, 'जब मैंने पूछा कि ये फॉर्म किसने जमा किए हैं, तो अधिकारियों ने नाम बताने से इनकार कर दिया.' उन्होंने आगे कहा, 'कुछ फॉर्मों की जांच करने पर हमने पाया कि आवेदक और जिसका नाम हटाने की मांग की गई थी, दोनों मुस्लिम थे. जब हमने इन मतदाताओं से संपर्क किया, तो उन्होंने कोई भी फॉर्म जमा करने से इनकार कर दिया.' एक अन्य ज़िले बाड़मेर में एक शिकायतकर्ता ने पुलिस से संपर्क कर आरोप लगाया कि उनके नाम से जमा किया गया फॉर्म 7 जाली था. इस संबंध में राज्य कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और विपक्ष के नेता टीकाराम जुली ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर रातोंरात हजारों पहले से छपे हुए आवेदन जमा करने का आरोप लगाया और इसे 'लोकतंत्र और मतदान के मौलिक अधिकार पर सीधा हमला' बताया. हालांकि, भाजपा ने इन आरोपों को 'चुनावी प्रक्रिया में बाधा डालने का प्रयास' बताते हुए खारिज कर दिया. इस संबंध में राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने मीडिया से कहा, 'भारत में यह पहली बार नहीं है जब एसआईआर (पूर्व-सूचना प्रणाली) का संचालन किया जा रहा है. जिन लोगों के नाम दो जगहों पर पंजीकृत हैं, या जो मृत हैं, उनके नाम हटाए जा रहे हैं. आरोप-प्रत्यारोप का खेल खेलना और प्रक्रिया में बाधा डालना सही नहीं है।'

जस्टिस यशवंत वर्मा- सुप्रीम कोर्ट ने याचिका ख़ारिज की, संसद प्रस्ताव पर कहा- सदन अध्यक्ष को निर्णय लेने दें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (16 जनवरी) को इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के प्रस्ताव पर राज्यसभा के महासचिव की भूमिका पर गंभीर चिंता व्यक्त की. रिपोर्ट के मुताबिक, अदालत द्वारा ये चिंताएं जस्टिस वर्मा की उस याचिका को खारिज करते हुए व्यक्त की गई, जिसमें उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष द्वारा उनके ख़िलाफ़ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए गठित संसदीय समिति की वैधता को चुनौती दी थी. मालूम हो कि यह घटनाक्रम जस्टिस वर्मा से जुड़े उस व्यापक विवाद से संबंधित है, जो मार्च 2025 में उनके आधिकारिक आवास के क्षतिग्रस्त हुए कमरे से कथित तौर पर भारी मात्रा में नकदी बरामद होने के आरोपों से जुड़ा है. इस विवाद के चलते 21 जुलाई 2025 को संसद के दोनों सदनों में समानांतर रूप से उन्हें हटाने के प्रस्ताव पेश किए गए थे. महासचिव ने अपने प्रशासनिक दायित्व से आगे बढ़कर एक 'ड्राफ्ट फैसला' (draft decision) तैयार किया था, जिसमें राज्यसभा सांसदों द्वारा प्रस्तुत नोटिस को अस्वीकार्य बताया गया था. इसी मसौदे के आधार पर राज्यसभा के उपसभापति ने प्रस्ताव को यह कहते हुए खारिज कर दिया था. जस्टिस वर्मा ने समिति के गठन पर इस आधार पर सवाल उठाया था कि उन्हें हटाने का प्रस्ताव राज्यसभा के उपसभापति द्वारा खारिज कर दिया गया था. इस पर जस्टिस

दीपांकर दत्ता और जस्टिस एस.सी. शर्मा की पीठ ने टिप्पणी की कि महासचिव की भूमिका प्रशासनिक कार्यों तक ही सीमित है और इसमें अर्ध-न्यायिक कार्य शामिल नहीं हैं. फैसले में जस्टिस दत्ता ने भविष्य में संसदीय सचिवालयों द्वारा ऐसे मामलों में संयम बरतने की बात करते हुए कहा, 'हम आशा करते हैं कि किसी अन्य न्यायाधीश को कदाचार के आरोपों पर सेवा से हटाने की कार्यवाही का सामना न करना पड़े. लेकिन यदि दुर्भाग्यवश किसी न्यायाधीश के प्रथम दृष्टया दुर्व्यवहार में लिप्त पाए जाने की स्थिति उत्पन्न होती है और देश के प्रतिनिधि जांच की मांग करते हैं... तो यह उचित होगा कि सचिवालय संयम बरते और प्रस्ताव पर फैसला लोकसभा स्पीकर या राज्यसभा के सभापति पर (जो भी मामला हो) छोड़ दे, न कि संभावित कार्रवाई का निष्कर्ष निकाले।

राज्यसभा महासचिव के प्रति नाराजगी का जस्टिस वर्मा की याचिका पर कोई प्रभाव नहीं

हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि ये टिप्पणियां 'सैद्धांतिक' प्रकृति की हैं. और इसका जस्टिस वर्मा द्वारा दायर अलग याचिका, जिसमें उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष द्वारा जांच समिति के गठन को चुनौती दी है, के खारिज़ करने पर इसका कोई लाभ या प्रभाव नहीं होगा. जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने इस मामले में 8 जनवरी को सुनवाई के बाद फ़ैसला सुरक्षित रख लिया था. सुनवाई के दौरान जस्टिस वर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और लोकसभा सचिवालय की ओर से भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें पेश की थीं. याचिका में मुख्य तर्क यह दिया गया था कि एक ही दिन, 21 जुलाई को लोकसभा और राज्यसभा दोनों में महाभियोग नोटिस दिए जाने के बावजूद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राज्यसभा के सभापति के फ़ैसले का इंतज़ार किए बिना ही जांच समिति का गठन कर दिया. याचिका में यह भी कहा गया कि क़ानून के तहत अनिवार्य संयुक्त परामर्श की प्रक्रिया नहीं अपनाई गई. दलील दी गई कि यह प्रक्रिया न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 की धारा 3(2) के ख़िलाफ़ है. इस संबंध में कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि इस मामले में न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 की प्रक्रिया का उल्लंघन नहीं हुआ है. और जस्टिस वर्मा किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन साबित करने में नाकाम रहे हैं. शीर्ष अदालत ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष को जांच समिति गठित करने का विधायी अधिकार है. और जिस सदन में प्रस्ताव स्वीकार किया गया होता है, उसके अध्यक्ष स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ सकते हैं।

15 साल के जंगलराज को बदलना चाहता है बंगाल...सिंगूर से PM मोदी की हुंकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के सिंगूर में जनसभा से बंगाल में परिवर्तन का आह्वान किया और लोगों से अपील की कि 15 साल के महाजंगलराज को समाप्त करें. उन्होंने कहा कि लोग इसी आस में आये हैं कि असली परिवर्तन चाहिए. सभी लोग 15 साल के जंगलराज को बदलना चाहते हैं. अभी बीजेपी-एनडीए ने बिहार में जंगलराज को एकबार फिर से रोका है. अब पश्चिम बंगाल भी टीएमसी के महा जंगलराज को विदा करने के लिए तैयार है. पीएम मोदी ने कहा कि सिंगूर का ये जनसैलाब, आप सभी का ये जोश, ये उत्साह पश्चिम बंगाल की नई कहानी बता रहा है. सभी एक ही भाव से, एक ही आस लेकर आए हैं कि 'हमें असली परिवर्तन चाहिए.' हर कोई 15 वर्ष के महा-जंगलराज को बदलना चाहता है. पीएम मोदी ने कहा कि यहां की टीएमसी सरकार आप तक योजनाओं को पहुंचने नहीं देती है. मैं समझ सकता हूं कि इनको बीजेपी से दुश्मनी है, लेकिन टीएमसी बंगाल के लोगों से अपनी दुश्मनी निकाल रही है. टीएमसी यहां के नौजवानों और यहां के किसानों से दुश्मनी ठाने हुए हैं।

नौजवानों के भविष्य से खेल रही है टीएमसी

उन्होंने कहा कि टीएमसी बंगाल के नौजवानों के भविष्य के साथ खेल खेल रही है, लेकिन टीएमसी पीएमश्री स्कूल की बेहतर शिक्षा से वंचित रख रही है. बंगाल के बच्चों का भविष्य को तबाह कर रही टीएमसी सरकार का जाना चाहिए या नहीं? टीएमसी को भगाना चाहिए या नहीं? पीएम मोदी ने कहा कि ऐसी टीएमसी सरकार को बंगाल को सजा देनी चाहिए या नहीं? देश में जो भी सरकारें विकास को रोकती है, गरीब

कल्याण के विकास में रुकावट डालती है. देश का मतदाता जाग चुका है. ये रुकावट डालने वाले हर किसी को लगातार सजा मिलती रही है. दिल्ली प्रदेश एक ऐसी ही सरकार थी, जो केंद्र की योजनाओं को लागू नहीं होने देती थी. हम कहते रहे थे कि दिल्ली के गरीब परिवारों के लिए आयुष्मान योजना लागू करो. लेकिन लागू नहीं किया. दिल्ली की जनता ने उनको सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया. अब दिल्ली में आयुष्मान योजना से गरीबों को मुफ्त इलाज मिल रहा है. पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की जनता ठान चुकी है कि टीएमसी की निर्मम सरकार को सबक सिखाने वाले हैं, ताकि यहां भी बीजेपी की सरकार बने और आयुष्मान भारत योजना बंगाल में भी लागू हो और गरीबों को मुफ्त इलाज मिले. बंगाल में भाजपा की डबल इंजन सरकार बननी बहुत जरूरी है. जहां भी भाजपा की डबल इंजन सरकार है, वहां केंद्र सरकार की योजना के तहत शानदार काम हो रहा है. पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी की राज में बेटियां भी सुरक्षित नहीं है. शिक्षा-व्यवस्था भी माफिया और भ्रष्टाचारियों के कब्जे में है. उन्होंने लोगों से अपील की कि आगे आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट दें, तभी हिंसा की घटनाओं पर लगाम लगेगी.

घुसपैठियों को बचा रही है टीएमसी

उन्होंने कहा कि बंगाल में उद्योग तभी लगेंगे और निवेश तभी आएंगे, जब कानून-व्यवस्था बेहतर होगी. यहां हर चीज पर सिंडिकेट टैक्स लगाया जाता है. सिंडिकेट टैक्स और माफियावाद को भाजपा सरकार ही खत्म करेगी. टीएमसी सरकार पश्चिम बंगाल की, देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है. इसलिए यहां के नौजवानों को खास तौर पर बहुत सावधान रहना है. टीएमसी घुसपैठियों को भांति-भांति सुविधाएं देती है. घुसपैठियों को बचाने के लिए धरने-प्रदर्शन करती है. टीएमसी को घुसपैठिए इसलिए पसंद है, क्योंकि वे इनके पक्के वोटबैंक हैं. घुसपैठियों को बचाने के लिए टीएमसी किसी भी हद तक जा सकती है. उन्होंने कहा कि टीएमसी ऐसे गिरोहों को संरक्षण देती है, तो घुसपैठिए की मदद करते हैं. अब समय आ गया है कि घुसपैठिए को अब रोकना होगा. घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें अपने देश वापस भेजना होगा।

830 करोड़ की परियोजनाओं का तोहफा

इससे पहले पीएम मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के सिंगूर में 830 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. पीएम मोदी ने कहा कि कल मैं मालदा में था और आज यहां हुगली में आप सभी के बीच आने का सौभाग्य मिला है. विकसित भारत के लिए पूर्वी भारत का विकास, इस लक्ष्य के साथ केंद्र सरकार निरंतर काम कर रही है. कल और आज के कार्यक्रम इसी संकल्प को और मजबूत करने वाले हैं. उन्होंने कहा कि कल पश्चिम बंगाल से देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन प्रारंभ हुई है, बंगाल को करीब आधा दर्जन नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें भी मिली हैं, आज 3 और अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू हुई हैं. उन्होंने कहा कि इनमें से एक ट्रेन तो मेरे संसदीय क्षेत्र काशी की बंगाल से कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी. इसके अलावा दिल्ली और तमिलनाडु के लिए भी अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू हुई हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

बांग्लादेश में अब केले को लेकर हिंदू कारोबारी की हत्या, पीट-पीटकर ले ली लिटन चंद्र घोष की जान

बांग्लादेश के गाजीपुर जिले में केले को लेकर हुए एक मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें 55 वर्षीय हिंदू कारोबारी लिटन चंद्र घोष की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। यह घटना शनिवार को कालिगंज इलाके में हुई। मृतक लिटन चंद्र घोष 'बैशाखी स्वीटमीट एंड होटल' के मालिक थे। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि यह घटना हाल के दिनों में बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ी हिंसा से जुड़ी है या नहीं। कालिगंज थाने के प्रभारी अधिकारी ज़ाकिर हुसैन ने बताया कि हत्या के सिलसिले में एक ही परिवार के तीन सदस्यों स्वपन मिया (55), मजेदा खातून (45), मासुम मिया (28) को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, मासुम मिया की केले की बगान है, जहां से केले का एक गुच्छा गायब हो गया था।

तलाश के दौरान उसने वही केले लिटन के होटल में देखे, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। पुलिस का कहना है, 'आरोपियों ने लिटन को घूंसे और लातें मारीं, जिससे वह जमीन पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।' लिटन के परिजनों ने बताया कि मासहूम सुबह करीब 11 बजे होटल आया था और पहले होटल के एक कर्मचारी से किसी छोटी बात पर झगड़ा हुआ। इसके बाद उसके माता-पिता भी मौके पर पहुंचे और मामला हाथापाई में बदल गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि घटना के पीछे कोई अन्य कारण या साजिश तो नहीं थी।

7.65 रुपए की चोरी, 50 साल से चल रहा था केस...अब मुंबई कोर्ट ने लिया ये बड़ा फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुंबई की एक कोर्ट ने 7.65 रुपए की चोरी के केस 1977 से चल रहा था. 50 साल बाद के बाद कोर्ट ने इस केस को बंद करने का डालने का निर्णय किया है. इस केस में दो अनजान आरोपी और एक शिकायत करने वाला शामिल था, जिनका पुलिस की दशकों की तलाश के बाद भी कोई पता नहीं चला. यह फैसला दशकों पुराने केस में हाल ही में आए कई फैसलों में से एक है, जो ठंडे बस्ते में पड़े थे और लीगल सिस्टम को जाम कर रहे थे. मझगांव कोर्ट ने 1977 के इस केस को पुराने केस को खत्म करने की अपनी कोशिश के तहत बंद कर दिया, जिनमें आरोपी या तो मर चुके थे, अनजान थे या उनका कोई पता नहीं चल रहा था।

1977 से चल रहा था 7.65 रुपए की चोरी का केस

1977 के इस चोरी के केस में दो अनजान लोगों पर 7.65 रुपए चोरी करने का आरोप था, जो पांच दशक पहले एक बड़ी रकम थी. हालांकि, नॉन-बेलेबल वारंट के बावजूद दोनों का पता नहीं चल सका, जिससे मामला ठंडे बस्ते में चला गया. ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास

(मझगांव कोर्ट) आरती कुलकर्णी ने 14 जनवरी को यह कहते हुए केस बंद कर दिया कि मामला लगभग 50 साल पुराना है और 'बिना किसी प्रोग्रेस के बेवजह पेंडिंग' पड़ा हुआ है. कोर्ट ने अपने ऑर्डर में कहा, 'बहुत ज्यादा समय लग गया है. मामले को पेंडिंग रखने का कोई मतलब नहीं है.' कोर्ट ने इंडियन पीनल कोड के सेक्शन 379 (चोरी) के तहत पकड़े गए दो आरोपियों को बरी कर दिया और निर्देश दिया कि चोरी की गई 7.65 रुपये की रकम शिकायत करने वाले को लौटा दी जाए. कोर्ट ने ऑर्डर में कहा, 'अगर बताने वाला नहीं मिलता है, तो अपील पीरियड के बाद रकम सरकारी अकाउंट में जमा कर दी जाएगी।

कोर्ट ने केस बंद करने का किया फैसला

कोर्ट ने कहा कि चूंकि चोरी की गई रकम 2,000 रुपये से कम थी, इसलिए केस को क्रिमिनल प्रोसीजर कोड (CrPC) के सेक्शन 260 के तहत समरी ट्रायल के लिए क्लासिफाई किया गया, जो छोटे अपराधों के लिए 'समरी ट्रायल' की इजाजत देता है, जिसमें चोरी भी शामिल है, जहां प्रॉपर्टी की कीमत कम होती है, ताकि जल्दी इंसाफ मिल सके. कोर्ट ने कहा कि इसी तरह, एक 30 साल पुराने मामले में, एक मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इंडियन पासपोर्ट एक्ट और फॉरेनर्स एक्ट के तहत बुक किए गए एक आरोपी को यह कहते हुए बरी कर दिया कि 1995 में चार्जशीट फाइल होने के बाद से उसका कोई पता नहीं चल रहा था।

2003 के एक रैश ड्राइविंग मामले में भी फैसला

2003 के एक रैश ड्राइविंग मामले में भी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने ऐसा ही किया, क्योंकि पुलिस रिपोर्ट ने कन्फर्म किया कि न केवल आरोपी, बल्कि असली जानकारी देने वाला और सभी गवाह भी अब ट्रेस नहीं हो पा रहे थे. आरोपी पर IPC के तहत सेक्शन 279 (रैश ड्राइविंग) और 338 (जान या पर्सनल सेफ्टी को खतरे में डालने वाले काम से गंभीर चोट पहुंचाना) के तहत केस दर्ज किया गया था. कोर्ट ने कहा कि आरोपी के जल्द मिलने की कोई उम्मीद नहीं है, और कहा कि फाइल को अनिश्चित काल तक खुला रखना गलत होगा।

'सुंदर बहू चाहिए...' अखबारों में छपवाते विज्ञापन, 10 सालों में ऐसे की करोड़ों की ठगी; बागपत में 2 ठग अरेस्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के बागपत में साइबर ठगी के एक सनसनीखेज मामले का खुलासा हुआ है. यहां सुंदर वधू की आवश्यकता जैसे आकर्षक विज्ञापनों के जरिए लोगों को शादी का सपना दिखाकर करोड़ों रुपये की ठगी की जा रही थी. पुलिस टीम ने इस संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो अंतर्राज्यीय शातिर ठगों नावेद और भूरा को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी पिछले सात से आठ वर्षों से लगातार इस तरह की ठगी को अंजाम दे रहे थे।

बागपत के एएसपी प्रवीण चौहान ने बताया कि यह कार्रवाई बड़ौत कस्बे के एक पीड़ित व्यक्ति की शिकायत के आधार पर की गई, जिसे सुंदर पत्नी दिलाने के नाम पर ऑनलाइन ठगी का शिकार बनाया गया था. शिकायत दर्ज होते ही पुलिस ने मामले की गंभीरता को समझते हुए जांच शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दोनों आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की।

विज्ञापन प्रकाशित कराते थे

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी समाचार पत्रों और अन्य माध्यमों में सुशील परिवार के लिए सुंदर वधू की आवश्यकता जैसे विज्ञापन प्रकाशित कराते थे. इन विज्ञापनों पर संपर्क करने वाले लोगों से पहले लंबी बातचीत की जाती थी, ताकि उनका भरोसा जीता जा

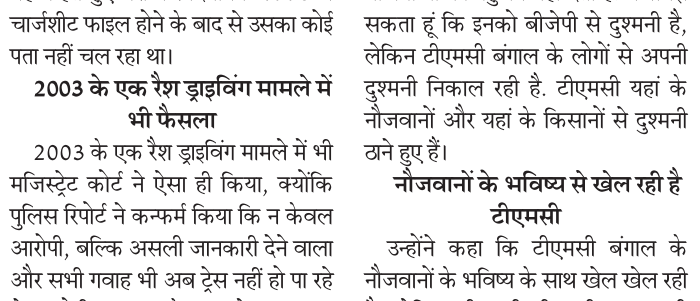

सके. इसके बाद विवाह की सहमति बनाकर मिलने की तारीख तय कर दी जाती थी. तय दिन के ठीक पहले आरोपी किसी एक्सीडेंट, बीमारी या पारिवारिक आपात स्थिति का बहाना बनाकर पीड़ित से तत्काल 20 से 25 हजार रुपये या उससे अधिक रकम बैंक खाते में ट्रांसफर करने को कहते थे. वे यह भरोसा दिलाते थे कि शाम तक पैसे वापस घर भिजवा दिए जाएंगे. विश्वास में आकर पीड़ित पैसा भेज देता था और इसके बाद आरोपियों का मोबाइल बंद हो जाता था।

एएसपी प्रवीण चौहान ने बताया कि शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि आरोपियों ने इसी तरीके से बीते दस वर्षों में एक करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की है. मुख्य आरोपी नावेद के खिलाफ देश के अलग-अलग जिलों और राज्यों में 16 से ज्यादा आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जबकि कई शिकायतें अभी जांच के स्तर पर लंबित हैं. पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी हरिद्वार में दर्ज मामलों में सजा काटकर बाहर आ चुके हैं और इसके बाद दोबारा ठगी के धंधे में सक्रिय हो गए थे।

गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 8 मोबाइल फोन, एक टैबलेट, एक लैपटॉप, फर्जी आधार कार्ड, डेबिट कार्ड, पैन कार्ड और दो बैंक खातों से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं. आरोपी फर्जी पहचान पत्रों और फेक सिम कार्ड का इस्तेमाल कर अलग-अलग शहरों के होटलों में रुकते थे, जिससे उनकी पहचान छिपी रहे और पुलिस तक आसानी से न पहुंचा जा सके।

क्या बोले अधिकारी?

एएसपी प्रवीण चौहान ने आम नागरिकों से अपील की कि शादी, नौकरी या किसी भी प्रकार के लालच भरे ऑनलाइन विज्ञापनों और प्रस्तावों पर आंख मूंदकर विश्वास न करें. किसी भी तरह का भुगतान करने से पहले पूरी जानकारी और सत्यापन जरूरी है. साइबर अपराध तेजी से नए-नए तरीकों से फैल रहे हैं, ऐसे में जागरूकता और सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है।

मानव जीवन एक पहेली मनोबल से परिस्थितियों को अनुकूल बनाएं

मनुष्य को मानव जीवन बड़ी मुश्किल से मिलता है और मानव जीवन अमूल्य है। मनुष्य जीवन ही ऐसा है जिसमें मस्तिष्क, सोचने की क्षमता होती है और हंसने मुस्कुराने का विशिष्ट गुण होता है और यही गुण मनुष्य को पशु पक्षी और जानवर से पृथक करता है। मानव जीवन नाटकीय परिस्थितियों से भरा पड़ा है। जिंदगी जीने के कई दृष्टिकोण मनुष्य के सामने होते हैं कई व्यक्ति आर्थिक सफलता को जीवन में सर्वोच्च स्थान देता है, कोई समाज सेवा को और कोई सामाजिक सम्मान का अति लोभी भी हो जाता है ,कोई व्यक्ति राजनीति के उच्चतम शिखर पर पहुंचना चाहता है ।यह सभी मनुष्य के जीवन जीने के अलग अलग तरीके हो सकते हैं अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए क्या आवश्यक साधन एवं तरीके अपनाए जाएं यह एक यक्ष प्रश्न की तरह मनुष्य के सामने खड़ा होता है। मनुष्य का हमेशा जिंदगी जीने के लिए एक ललक और प्यास रखने की आवश्यकता होती है जीवन को यह अंतिम जीवन हैं कहकर जीने की आवश्यकता होती है एवं इसे निश्चित धैर्य में बांधकर जीवन जीने की बजाए प्रयोग के साथ नवीनता और परिवर्तनशीलता लबालब रखना चाहिए मगर शर्त यह है कि यह मनुष्य के जीने का तरीका सामाजिक नियमों या परिपाटी का खुला उल्लंघन ना हो। खुले जीने के तरीके मनुष्य को आत्म संतुष्टि प्राप्त नहीं होती है। जीवन जीने का तरीका एक यह भी है की विपरीत परिस्थितियों से डटकर मुकाबला कर उसे सहज स्वीकारना चाहिए। वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में जहां पूरी दुनिया एक वैश्विक ग्राम बनकर रह गई है वहां जीवन नाटकीय ता से परिपूर्ण हो सकता है क्योंकि मनुष्य का आज का जीवन विश्व की तमाम क्रिया प्रतिक्रिया एवं घटनाओं से काफी हद तक प्रभावित होता रहा है भले ही उससे समक्ष या परोक्ष रूप से मनुष्य जुड़ा हुआ हो या न हो। हाल की घटनाओं में ले लीजिए रूस यूक्रेन युद्ध से पूरा विश्व जनमत प्रभावित हुआ है एवं वैश्विक महंगाई में भी इजाफा हुआ है क्योंकि विश्व के तेल आयातक देश प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए। मनुष्य के निजी जीवन में कई घटनाएं, दुर्घटनाएं आकस्मिक सामने आ जाती हैं तो ऐसे में मनुष्य को बिना हिचकिचाहट दर्शाए उन परिस्थितियों से रूबरू होकर उसका सामना संयम ,मनोबल तथा पूरी शक्ति से करना चाहिए ऐसे में निश्चित तौर पर मनुष्य को विषम परिस्थितियों में सफलता प्राप्त होती है। क्योंकि मनुष्य को श्रम करने की आदत हो तो जीवन के अनेक पहलुओं को भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। जीवन के अनेक दृष्टिकोण से परिस्थितियों को गुणवत्ता के आधार पर स्वीकार तथा आज स्वीकार करते हुए निरंतर अग्रसर होते रहना चाहिए और कठिन श्रम निरंतर मेहनत पर मनुष्य को भरपूर भरोसा होना चाहिए। क्योंकि कर्म पर भरोसा रखने से और इस प्रक्रिया से भविष्य के परिणाम बहुत ज्यादा प्रभावित करते हैं जीवन को सकारात्मक विचारों के साथ निरंतर आगे बढ़ाकर परिस्थितियों का दास नहीं उस पर नियंत्रण करता होना चाहिए, तब जाकर मनुष्य अपने लक्ष्य को सफलता के रूप में प्राप्त कर सकता है। मनुष्य को केवल जीवन जीना ही नहीं है उसे उस जीवन को सफल और सफलता के चरमोत्कर्ष तक पहुंचाना होता है। साधारण जिंदगी जिए और मृत्यु को प्राप्त हो गए ऐसा जीवन तो जानवर पशु पक्षी भी जीते हैं यदि आपको मनुष्य योनि में जन्म मिला है तो इसे सार्थक करने के लिए आपको अनथक प्रयत्न कर इस लोक जगत और मानव सभ्यता के लिए परोपकार की भावना भी आपके व्यक्तित्व में समाहित करना होगा। मनुष्य इस बात को जितने जल्दी समझ जाए कि उसका जीवन केवल उसके लिए नहीं है बल्कि संपूर्ण मानव जगत और इस भव संसार की भलाई के लिए भी है तब ही उसका जीवन सार्थक एवं सफल हो सकता है। साहस मनोबल और श्रम की परिणति ही परिवर्तन लाती है और परिवर्तन प्रकृति का नियम है और परिवर्तन से व्यक्ति समाज देश और संपूर्ण विश्व में खुशहाली लाती है। जीवन जीने का आशय जीवन में आकस्मिकता ,परिवर्तनशीलता और निरंतर परिस्थितियों में सुधार लाने का प्रयास ही होना चाहिए, मनुष्य को निरंतर जीवन में परिवर्तन तथा नवाचार के लिए प्रयासरत रहना होगा तभी उसके जीवन का मूल उद्देश्य सार्थक एवं सफल हो सकता है।

संजीव ठाकुर

जीवन में अधिक प्रदूषण तो निरर्थक प्रवृतियों का है

व्यक्ति दो तरह से प्रवृत होता है सार्थक और निरर्थक । यदि व्यक्ति अपनी सारी प्रवृतियों का सूक्ष्म निरीक्षण करे तो उसे यह समझ में आ जाएगा कि उसकी प्रवृतियों में निरर्थक प्रवृतियों का जमघट भी कम नहीं है। अनावश्यक बोलना, अनावश्यक व्यर्थ कार्य करना, व्यर्थ समय खोना, अनावश्यक विषयों में सोचते रहना केवल मनोरंजन के नाम पर अनेक अनावश्यक अश्लील हंसी मजाक करना, हानि कारक और व्यर्थ की प्रथाओं परिपाटियों का पालन करना, व्याधि ग्रस्त होजाने जैसे दुर्व्यसनों का सेवन करना, तास पत्ती और अंकों के खेल खेलकर धन नष्ट करना आदि अनेक ऐसी प्रवृतियां है जो न केवल निरर्थक है किन्तु वे अनेक आपदाओं को भी जन्म दे देती है। ऐसी प्रवृतियां लोक जीवन में घर किये हुए हैं लाखों करोड़ों व्यक्ति आंख मूंद कर ऐसे अनावश्यक कार्यो में अपना तन मन और धन नष्ट कर रहे हैं। अनेक संघर्ष और तनाव जो मानव जीवन में व्याप्त है। उनमें से अधिकांश तो ऐसी निरर्थक बातों के कारण ही है। व्यक्ति अपने तनाव और चिन्ता से मुक्त होने के अनेक उपाय करता है। किन्तु अन्य कोई उपाय करने के पहले उसे अपने जीवन में से उन निरर्थक कार्यो को अलविदा कहना चाहिये जो उसके जीवन में व्यर्थ ही डेरा डाले हुए है और उसके तन मन को प्रदुषित कर रहे हैं। यदि जीवन में प्रवृतियों का निरर्थक अंश समाप्त हो जाता है और जीवन में सार स्वरुप आवश्यक कार्य विधियां ही शेष रहती है तो व्यक्ति के अधिकांश तनाव प्रकरण तो ऐसे ही समाप्त हो जाएंगे ।भगवान महावीर प्रभु ने मानव मात्र के लिये एक महत्व पूर्ण व्रत दिया है 'अनर्थ दण्ड विरमणव्रत' इस व्रत का विधान है जीवन में निरर्थक प्रवृतियों का त्याग करना । यदि राह राई से अपने जीवन की समीक्षा करें तो इस व्रत की अप्रतिम विशेषता स्पष्ट परि लक्षित हो जाएगी क्योंकि जीवन निरर्थक प्रवृतियों से इस हद तक छाया हुआ है कि सार्थक और उपयोगी प्रवृतियों के लिये व्यक्ति अपना समय ही नहीं दे सकता, कोई यह कहे कि व्यक्ति जो करता है उचित समझ करही करता है फिर वह निरर्थक कैसे ? इस प्रश्न के उत्तर के लिये फिर जीवन व्यवहार की गहराइयों में जाना होगा। उचित, आवश्यक समझकर जो किया वह बहुत कुछ निरर्थक ही सिद्ध हुआ इसलिये यह स्वीकार करना होगा कि अपना सोच ही सही नहीं है अतः वह निरर्थक प्रवृतियों को जन्म देता है। सोच की दिशा यथार्थवादी और तात्विक होनी चाहिये । शुद्ध यथार्थवादी चिन्तन निरर्थक प्रवृतियों को निराकृत करके सार्थक उपयोगितावाद को रुपायित करेगा। एक प्रगतिशील जीवन के लिये सार्थक चिन्तन होना ही चाहिये । करुणा, मानवता और सह जीवन की आधार शिला है ।

करुणा मानवीय हृदय का सुकोमल भाव है। यह मानवता का सर्जक और सह जीवन का मुख्य कारक भाव है। करुणा का भाव व्यक्ति को पीड़ित प्राणी के अन्त करण से जोड़ देता है। करुणा मानव हृदय की अनमोल संपदा है सर्वोच्च विचार धारा और आत्मा का अमृत है। यह जब मानव हृदय से समाप्त होजाता है तो मानव मन मात्र पत्थर के रुप में परिणत हो जाता है।किसी पीड़ित प्राणी को देखकर अपने हृदय में एक हलचल खड़ी होना, एक स्पन्दन खड़ा होना, मन को कम्पन आना यह करुणा का जागरण है। करुणा प्रेरित व्यक्ति पीड़ित व्यक्ति को कष्ट मुक्त कर के अत्मिक आनन्द का अनुभव करता है। अमरीका के राष्ट्र पति अब्राहम लिकन के जीवन की घटना इस तथ्य को अधिक स्पष्टकर देगी । एकवार वे मित्रों के साथ कहीं जा रहे थे, उन्होंने गटर के नाले में एक सूअर के बच्चे को करुण रुदन करते सुना। वे तत्काल उस गटर में उतर गये और सूअर के बच्चे को बाहर लेआये। कपड़े सब खराब होगये थे। मित्रों ने कहा आपने यह क्या कर दिया सारे कपड़े गन्दे करदिये। लिंकन ने कहा ये तो अभी धुल जायेंगे यदि मैं इस सूअर के बच्चे को तड़पता छोड़ चला जाता तो रात भर मैं चैन से सो भी नहीं सकता। इसे बचाकर मैने अपना चैन ही बचाया है। अब मै आराम से नींद ले सकूंगा। उक्त उदाहरण से स्पष्ट होता है कि करुणा प्रेरित व्यक्ति जो सेवा करता है वह किसी पर उपकार करने के लिये नहीं किन्तु अपने आत्मिक आनन्द के लिये वह ऐसा करता है। पांडु पत्नि राज माता कुन्ती देवी ने तो एक ब्राह्मण के बच्चे को बचाने को अपने पुत्र को मृत्यु के साक्षात अवतार बक राक्षस से भिड़ने को भेज दिया, मेघरथ और शिवि जैसे आदर्श हमारे इतिहास के अनमोल आदर्श है। अपने तन का बलिदान देकर भी एक कबूतर को बचा लेना उनका परम धर्म बन गया था। करुणा सह जीवन की प्रबल आधार शिला है। परिवार और समाज तभी आदर्श और श्रेष्ठ सिद्ध होता है जब उन में प्रत्येक व्यक्ति परस्पर करुणा भाव से अनुप्राणित होते हैं। सेवा का उच्चतम आदर्श करुणा से ही चरितार्थ होता है। आज जन जीवन की मानसिकता में करुणा का स्रोत सूखता चला जा रहा है। फलत मानव राक्षस जैसी प्रवृतियां करने लगा है। हत्याएं लूट पाट अत्याचार देश में बढ़ रहे है। सभी चिन्तित है किन्तु उसका उपाय करुणा भाव है। देश में इस भाव के जागरण का प्रयास करना चाहिये ।

ताकत का दुरुपयोग है विश्व पटल पर ट्रम्प की सामंतशाही

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का व्यवहार लगातार दुनिया को हतप्रभ कर रहा है ट्रंप की हठधर्मिता दिनों दिन ने रूप में सामने आ रही है एक ताकतवर मुल्क किस तरह अराजकत व्यवहार कर अन्य देशों के लिए मुसीबत खड़ी कर सकता है यह उनके तमाम हरकतों से समझ सकते हैं। अब ताजा घटना चक्र में अमेरिका ने ईरान को हर तरफ से घेरना शुरू कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ट्रंप के इस फैसले से ईरान के अंदर विरोध प्रदर्शनों पर हिंसक कार्रवाई को लेकर खामेनेई सरकार पर दबाव बढ़ गया है, जिसमें कम से कम 648 लोग मारे गए हैं और पूरे देश में हजारों की गिरफ्तारियां हुई हैं। ट्रंप की यह टैरिफ कार्रवाई संभावित रूप से भारत और चीन सहित कई देशों को प्रभावित कर सकती है, जो ईरान और अमेरिका, दोनों के साथ व्यापार करते हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा, तुरंत प्रभाव से, इस्लामी गणराज्य ईरान के साथ व्यापार करने वाला कोई भी देश, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ होने वाले सभी व्यापार पर 25 प्रतिशत टैरिफ देगा। यह आदेश अंतिम और निर्णायक है। टैरिफ की घोषणा ऐसे समय हुई है जब ट्रंप ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने सोमवार को कहा था कि अमेरिका के पास एक विकल्प यह भी है कि वह ईरान पर हवाई हमला करे। लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि ईरान के पास ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से बात करने का एक राजनयिक चैनल भी खुला है। उन्होंने कहा कि ईरान अपने सार्वजनिक बयानों की तुलना में निजी तौर पर बहुत अलग बोली बोल रहा है। चीन को ईरान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार माना जाता है, लेकिन ट्रंप के इस कदम का असर भारत, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और तुर्की पर भी पड़ेगा, जो तेहरान के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में से हैं। तेहरान में मौजूद भारतीय दूतावास के अनुसार, भारत ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में ईरान को 1.24 अरब डॉलर का सामान निर्यात किया, जबकि 0.44 अरब डॉलर का आयात किया, जिससे कुल व्यापार 1.68 अरब डॉलर (लगभग 14,000-15,000 करोड़ रुपये) हो गया। इनमें सबसे बड़ा हिस्सा 512.92 मिलियन डॉलर मूल्य के कार्बनिक केमिकल्स का था। इसके बाद फल, मेवे, खट्टे फलों के छिलके और खरबूजे 311.60 मिलियन डॉलर और खनिज ईंधन, तेल और आसवन उत्पाद 86.48 मिलियन डॉलर के थे। ध्यान रहे कि अमेरिका ने पहले ही रूप्सी तेल की खरीद के लिए भारतीय सामानों पर कुल 50 प्रतिशत तक का टैरिफ लगा दिया है। अगर ईरान से व्यापार के लिए भी भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगता है तो व्यापार में और बाधा आएगी। ईरान इस समय गंभीर राजनीतिक और आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। देशभर में भड़के विरोध प्रदर्शनों ने सरकार के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि ईरान में इंटरनेट और मोवाइल सेवाओं पर रोक लगा दी गई है। यह संकट केवल ईरान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर भारत जैसे देशों पर भी पड़ सकता है, जिनके रणनीतिक और व्यापारिक हित ईरान से गहराई से जुड़े हुए हैं। ईरान भारत की विदेश और व्यापार नीति का एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है।

आपको बता दें कि भारत ने मध्य एशिया, रूस और यूरोप तक अपनी पहुंच मजबूत करने के लिए जिन परियोजनाओं में निवेश किया है, उनमें ईरान एक प्रमुख ट्रांजिट हब की भूमिका निभाता है। खासतौर पर ईरान के दक्षिण पूर्वी तट पर स्थित चाबहार बंदरगाह भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। चाबहार पोर्ट भारत भारत को पाकिस्तान को बायपास करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया और यूरोप तक सीधा व्यापारिक रास्ता देता है। यही बंदरगाह इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर यानी आईएनएसटीसी का भी अहम हिस्सा है। इस मार्ग से भारत को निर्यात आयात में करीब 40 प्रतिशत समय और लगभग 30 प्रतिशत लागत को बचत होती है। अगर ईरान में अस्थिरता बढ़?ती है और चाबहार बंदरगाह प्रभावित होता है तो भारत की भू-आर्थिक रणनीति को बड़ा झटका लग सकता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और ईरान के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 1.68 अरब डॉलर रहा। इसमें भारत ने ईरान को 1.24 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि 0.44 अरब डॉलर का आयात किया गया। इस तरह भारत को लगभग 0.80 अरब डॉलर का व्यापारिक लाभ हुआ। भारत से ईरान को भेजे जाने वाले प्रमुख सामानों में चावल, चाय, चीनी, दवाइयां, इलेक्ट्रिक मशीनरी और कृत्रिम फाइबर शामिल हैं। वहीं ईरान से भारत सूखे मेवे, रसायन और कांच से बने उत्पाद आयात करता है। अगर संकट गहराता है और चाबहार पोर्ट या आईएनएसटीसी मार्ग बाधित होता है तो भारत-ईराम व्यापार पर सीधा असर पड़ सकता है। ईरान दुनिया के बड़े तेल और गैस उत्पादक देशों में शामिल है। अगर ईरान संकट का असर होर्मुज जलडमरूमध्य तक पहुंचता है तो वैश्विक तेल आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। दुनिया के करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी रास्ते से होती है। भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से भारत का आयात बिल बढ़ेगा। इसका सीधा असर परिवहन लागत, माल बुलाई और आम लोगों की महंगाई पर पड़ेगा। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से देश में महंगाई का दबाव और तेज हो सकता है। ईरान में जारी संकट भारत के लिए केवल एक पड़ोसी देश को समस्या नहीं है, बल्कि यह भारत की व्यापारिक, ऊर्जा और रणनीतिक सुरक्षा से सीधे जुड़ा हुआ मामला है। आपको पता रहे कि चाबहार पोर्ट, आईएनएसटीसी कॉरिडोर और तेल आपूर्ति जैसे मुद्दे भारत की दीर्घकालिक आर्थिक योजनाओं से जुड़े हैं। अगर ईरान में हालात और बिगड़ते हैं, तो भारत को इसके दूरगामी प्रभावों के लिए तैयार रहना होगा। यहां यह भी ध्यान रहे कि अमेरिका और भारत, दोनों पक्ष एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए महीनों से काम कर रहे हैं। अगर यह समझौता हो जाता है तो यह नई दिल्ली को लंबे समय से अपेक्षित टैरिफ राहत प्रदान करेगा।

यहां यह भी बता दें अमेरिका की सामंतवाद की यह नीति कोई अचानक उपजी हुई नहीं है। शीत युद्ध के दौर से लेकर आज तक, लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशिया और एशिया-अफ्रीका के कई देशों ने इसे झेला है। इराक, लीबिया, सीरिया और अब वेनेजुएला–सूची लंबी है। फर्क बस इतना है कि हर बार हस्तक्षेप को नया नाम दे दिया जाता है–कभी 'लोकतंत्र की बहाली ', कभी 'तानाशाही के खिलाफ लड़ाई' और कभी 'मानवाधिकारों की रक्षा '। लेकिन इन सभी नारों के पीछे असली लक्ष्य संसाधन, प्रभाव और रणनीतिक नियंत्रण ही रहा है।यह स्थिति पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। खासकर विकासशील और मध्यम शक्ति वाले देशों के लिए। यह मान लेना कि अमेरिकी सहायता, व्यापार या रणनीतिक साझेदारी हमेशा निष्पक्ष और दीर्घकालिक होगी, अब एक खतरनाक भ्रम बन चुका है। इतिहास गवाह है कि अमेरिका दोस्ती भी अपने हित देखकर करता है और दुश्मनी भी। हालांकि इस मे कोई संदेह नहीं है कि अमेरिका अपनी ताकत का पूरी तरह दुरुपयोग कर विश्व भर में अपना प्रभुत्व कायम करना चाहता है और इसके लिए वह वैश्विक कानून और आचार संहिता को लगातार अनदेखा कर विपरित आचरण कर रहा है।

मनोज कुमार अग्रवाल

संपादकीय

मुंबई में बदला सत्ता का इतिहास, मुम्बई में ठाकरे बंधुओ का किला ढहाया

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनाव

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों के नतीजों ने राज्य की राजनीति में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। वर्षों से चली आ रही परंपराओं और स्थापित सियासी वर्चस्व को तोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। 29 में से 25 महानगर पालिकाओं में जीत दर्ज कर महायुति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य की शहरी राजनीति में अब निर्णायक नेतृत्व उसी के हाथों में है। सबसे बड़ा और सबसे प्रतीकात्मक परिणाम मुंबई का रहा जहां बृहन्मुंबई महानगरपालिका में दशकों से कायम ठाकरे परिवार के प्रभाव का अंत हुआ और भाजपा पहली बार सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। मुंबई की राजनीति केवल एक नगर निगम की राजनीति नहीं है। यह शहर महाराष्ट्र की आर्थिक धड़कन है और देश की वित्तीय राजधानी भी है। बीएमसी का बजट कई राज्यों के बजट से बड़ा माना जाता है। ऐसे में यहां सत्ता परिवर्तन का अर्थ केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं बल्कि राजनीतिक संदेश भी है। भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने मिलकर जिस तरह से बहुमत का आंकड़ा पार किया उसने यह दिखा दिया कि मतदाताओं ने स्थिरता और विकास के एजेंडे को प्राथमिकता दी है। इस चुनाव में भाजपा ने भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन और ट्रिपल इंजन सरकार का नारा दिया। केंद्र राज्य और नगर निगम में एक ही गठबंधन की सरकार होने से विकास कार्यों में तेजी आएगी यह संदेश शहरी मतदाताओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचा। परिणामस्वरूप मुंबई ही नहीं बल्कि पुणे नागपुर ठाणे नासिक और पिंपरी चिंचवड़ जैसे प्रमुख शहरों में भी महायुति को निर्णायक बढ़त मिली। यह जीत केवल सीटों की संख्या तक सीमित नहीं है बल्कि राजनीतिक मनोविज्ञान में आए बदलाव को भी दर्शाती है।

ठाकरे परिवार का मुंबई में वर्चस्व लगभग तीन दशक तक अडिग माना जाता रहा। बालासाहेब ठाकरे के दौर से लेकर उद्धव ठाकरे तक शिवसेना ने मुंबई की राजनीति पर गहरी पकड़ बनाए रखी। मराठी अस्मिता और हिंदुत्व के मिश्रण ने शिवसेना को यहां मजबूत आधार दिया था। लेकिन समय के साथ परिस्थितियां बदलीं। पार्टी में विभाजन हुआ और सत्ता संघर्ष ने संगठन को कमजोर किया। उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे के बीच हुआ विभाजन इस चुनाव में निर्णायक साबित हुआ। मतदाताओं ने बंटी हुई राजनीति के बजाय स्पष्ट नेतृत्व को चुना।

राज ठाकरे की मनसे के साथ गठबंधन कर उद्धव ठाकरे ने एक बार फिर पुराने प्रभाव को दोहराने की कोशिश की थी। ठाकरे बंधु करीब दो दशक बाद एक साथ आए और इससे राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हुई। लेकिन यह प्रयोग मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर सका। जनता ने भावनात्मक अपील से अधिक ठोस प्रशासनिक विकल्प को तरजीह दी। इसका परिणाम यह रहा कि ठाकरे परिवार की संयुक्त रणनीति भी भाजपा शिंदे गठबंधन की आक्रामक और संगठित चुनावी मशीनरी के सामने टिक नहीं पाई। भाजपा के लिए यह जीत ऐतिहासिक है। पार्टी ने अपने गठन के करीब 45 साल बाद मुंबई में मेयर बनाने की स्थिति हासिल की है। यह उपलब्धि केवल एक पद तक सीमित नहीं है बल्कि उस यात्रा का प्रतीक है जिसमें भाजपा ने धीरे धीरे शहरी महाराष्ट्र में अपनी जड़ें मजबूत कीं। पहले यह पार्टी सहयोगी की भूमिका में रहती थी लेकिन अब वह नेतृत्वकर्ता बनकर उभरी है। यह बदलाव भाजपा के संगठनात्मक विस्तार और रणनीतिक धैर्य का परिणाम है। देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे की जोड़ी ने इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाई। फडणवीस ने विकास और सुशासन को केंद्र में रखकर अभियान चलाया जबकि शिंदे ने शिवसेना के पारंपरिक मतदाताओं को महायुति के पक्ष में बनाए रखा। दोनों नेताओं ने यह संदेश दिया कि हिंदुत्व और विकास एक दूसरे के पूरक हैं न कि विरोधी। इस संयुक्त रणनीति ने शहरी मतदाताओं के बीच भरोसा पैदा किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का प्रभाव भी इस चुनाव में साफ दिखाई दिया। भाजपा ने केंद्र सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को स्थानीय विकास से जोड़ा। मतदाताओं को यह भरोसा दिलाया गया कि मजबूत केंद्र और मजबूत राज्य सरकार के साथ नगर निगम भी यदि उसी धारा में चलेगा तो शहरों का विकास तेज होगा। यह संदेश विशेष रूप से मध्यम वर्ग और युवा मतदाताओं के बीच असरदार साबित हुआ।

कांग्रेस के लिए यह चुनाव मिश्रित परिणाम लेकर आया। कुछ शहरों में पार्टी ने जीत दर्ज की लेकिन समग्र रूप से वह महायुति के सामने कमजोर नजर आई। शहरी राजनीति में कांग्रेस की संगठनात्मक कमजोरी एक बार फिर उजागर हुई। हालांकि लातूर और चंद्रपुर जैसे क्षेत्रों में जीत यह संकेत देती है कि पार्टी के पास अभी भी कुछ मजबूत आधार हैं लेकिन उन्हें राज्यव्यापी रणनीति में बदलना बड़ी चुनौती होगी। इन चुनाव परिणामों का असर केवल नगर निगमों तक सीमित नहीं रहेगा। यह राज्य की राजनीति और आने वाले विधानसभा चुनावों के लिए दिशा संकेत भी हैं। भाजपा के लिए यह जीत आत्मविश्वास बढ़ाने वाली है और विपक्ष के लिए आत्ममंथन का अवसर। खासकर उन दलों के लिए जो राजनीति को पारिवारिक विरासत के रूप में देखते रहे हैं यह परिणाम एक चेतावनी की तरह है। मतदाता अब नाम और विरासत से अधिक काम और स्पष्ट नेतृत्व को महत्व दे रहे हैं। मुंबई में सत्ता परिवर्तन के साथ ही प्रशासनिक अपेक्षाएं भी बढ़ गई हैं। बीएमसी के सामने बुनियादी ढांचे स्वास्थ्य परिवहन और आवास जैसी कई चुनौतियां हैं। जनता ने जिस भरोसे के साथ भाजपा शिंदे गठबंधन को चुना है उस भरोसे को बनाए रखना अब नई सरकार की जिम्मेदारी है। पारदर्शिता और समयबद्ध विकास ही इस जीत को स्थायी राजनीतिक पूंजी में बदल सकता है।

यह चुनाव यह भी दर्शाता है कि शहरी मतदाता अब अधिक जागरूक और अपेक्षाशील हो चुका है। भावनात्मक नारों के साथ साथ वह ठोस योजनाओं और परिणामों की मांग करता है। भाजपा ने इस बदलाव को समझा और अपने अभियान को उसी अनुरूप ढाला। विपक्ष यदि भविष्य में वापसी चाहता है तो उसे भी इसी स्तर की तैयारी और स्पष्टता दिखानी होगी। अंततः महाराष्ट्र के नगर निगम चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं हैं। यह लोकतंत्र में बदलती प्राथमिकताओं की कहानी है। यह कहानी बताती है कि मतदाता अब प्रदर्शन के आधार पर निर्णय ले रहा है। मुंबई में ठाकरे युग का अंत और भाजपा का उदय इसी परिवर्तन का प्रतीक है। आने वाले वर्षों में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह नई सत्ता व्यवस्था शहरों को किस दिशा में ले जाती है और क्या यह भरोसा विकास और सुशासन में बदल पाता है।

कांतिलाल मांडोत

ठाकरे बंधुओं का किला ध्वस्त

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में बीजेपी को ऐतिहासिक जीत मिली है। 25 साल का वनवास देवा भाऊ ने खत्म कर दिया है। महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में से भाजपा ने 25 निकायों में जीत हासिल की है। मुंबई महानगरपालिका के चुनाव में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। इस जीत के हीरो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हैं जिन्होंने अपनी रणनीति से बीजेपी को जीत तो दिलाई ही साथ ही अपने प्रतिद्वंदी उद्धव ठाकरे को भी हाशिए पर धकेल दिया। महाराष्ट्र की राजनीति में बीजेपी के अंदर देवेंद्र फडणवीस सबसे बड़े चेहरे के रूप में उभरे हैं। विधानसभा और निकाय चुनाव में प्रचंड जीत के बाद तमाम क्षत्रप नेताओं को हाशिए पर धकेल दिया है। इसमें शरद पवार तक को हाशिए पर धकेल दिया है।

एशिया में सबसे धनी मानी गई बीएमसी के चुनावों में भाजपा और एकनाथ शिंदे की महायुति ने सबसे ज्यादा सीटें जीतकर इतिहास रच दिया। चुनाव नतीजे एक्जिट पोल के मुताबिक ही नजर आए हैं। बीएमसी के चुनावों को ठाकरे बंधुओं के सरवाइवल का सवाल माना जा रहा था, लेकिन उनका अंतिम किला भी ध्वस्त हो गया। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के लिए यह चुनाव अग्नि परीक्षा थी लेकिन वे सफल नहीं हुए। जून 2022 में शिवसेना के विभाजन के बाद यह तीसरी चुनावी फाइट थी। करीब तीन दशक से लगातार शिवसेना मुम्बई पर राज करती आई है। बीएमसी का मतलब ही शिवसेना बन चुका था।

ऐसे में 2017 के बाद इस हाई प्रोफाइल चुनाव पर देश की नजरें लगी हुई थीं, क्योंकि शिवसेना दो हिस्सों में बंटी हुई है। बाल ठाकरे का वास्तविक उत्तराधिकारी कौन? उद्धव ठाकरे खुद को स्थापित करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे थे लेकिन विधानसभा चुनावों से लेकर निकाय चुनावों तक एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सेना ने बाजी मार ली है। उद्धव ठाकरे इस चुनाव की अहमियत समझते थे। शायद इसलिए उन्होंने अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन हासिल करने के लिए सबसे पहले परिवार को एकजुट करने की सोची। महाराष्ट्र में दशकों से बाल ठाकरे का ही नाम बोलता है। शिंदे भी ठाकरे की तस्वीर लेकर अपनी सियासत चमका रहे हैं। आज भी सोशल मीडिया के प्रोफाइल में उन्होंने बैकग्राउंड में ठाकरे को लगा रखा है। ऐसे में उद्धव के सामने चुनौती बड़ी है।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) ने मराठी वोटों को एक साथ लाने के लिए चचेरे भाई राज ठाकरे के साथ गठबंधन किया है। राज ने नवम्बर 2005 में शिवसेना से अलग होकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) बना ली थी लेकिन इतने भर से ही जीत की गारंटी नहीं मिल जाती। कभी भाजपा शिवसेना की छोटा भाई थी लेकिन अब वह बिग ब्रदर बनकर उभरी है। मुंबई ही नहीं, पूरे देश में यह धारणा है कि बीएमसी का मतलब शिवसेना है लेकिन कम लोग जानते होंगे कि ठाकरे पार्टी ने अपने दम पर कभी बहुमत हासिल नहीं किया। शिवसेना ने हमेशा गठबंधन से ही नगर निगम की सरकार चलाई है।

मनसे प्रमुख राज ठाकरे की पहचान महाराष्ट्र की राजनीति में नफरती पॉलिटिक्स को लेकर ही रही है। मराठी अस्मिता के नाम पर गैर मराठियों के साथ मारपीट और गालीगलौज उनके कार्यकर्ताओं की पहचान रही। राज ठाकरे अपनी सभाओं में खुद भी जुबान पर कंट्रोल नहीं कर पाते थे। निकाय चुनाव में प्रचार के दौरान कहा था कि यूपी-बिहार के लोगों को समझना चाहिए कि हिंदी आपकी भाषा नहीं है। मुझे भाषा से नफरत नहीं है। लेकिन अगर आप इसे थोपेंगे तो मैं लात मारूंगा। राज ठाकरे यही नहीं रुके थे। उन्होंने कहा था कि वो चारों तरफ से महाराष्ट्र आ रहे हैं और आपका हिस्सा छीन रहे हैं। अगर आपकी जमीन और भाषा चली गई तो आप खत्म हो जाएंगे। ठाकरे के इस बयान का बड़ा विरोध हुआ था। उद्धव ठाकरे ने राज ठाकरे की मनसे के साथ समझौता करके बड़ी भूल की है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव उद्धव ठाकरे कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ते रहे हैं, लेकिन बीएमसी चुनाव में उन्होंने चचेरे भाई राज ठाकरे को साथी बनाया, जो उनके लिए बड़ी भूल साबित हुई। बीएमसी चुनाव में राज ठाकरे के पास खास कुछ नहीं था। मनसे की तुलना में मुंबई के अंदर कांग्रेस ज्यादा बड़ी ताकत है। ऐसे में उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस का हाथ छोड़कर बहुत बड़ी गलती की है। मनसे का साथ लेने की वजह से उद्धव के हाथ से उत्तर भारतीयों का बड़ा वोट छिटक गया है।

मुम्बई में भाजपा की ताकत काफी बढ़ चुकी है। यद्यपि एकनाथ शिंदे ज्यादा मजबूत नहीं हैं, फिर भी चुनावी फायदे के लिए दोनों एक साथ आए। भाजपा की उत्तर भारतीय, गुजराती और दक्षिण भारतीय वोटर पर पकड़ मजबूत है जबकि एकनाथ शिंदे की शिवसेना की मराठी मतदाताओं पर पकड़ है। महाराष्ट्र की राजनीति की तरह बीएमसी में भी कांग्रेस का ग्राफ लगातार कमजोर हुआ है। वहीं एनसीपी की, बीएमसी में कोई खास मौजूदगी नहीं रही है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना मुम्बई में भी कमजोर साबित हुई। उसके पीछे भी कई कारण हैं। हिन्दुत्व के मुद्दे पर भाजपा और शिवसेना स्वाभाविक मित्र दल के रूप में दिखाई देते थे लेकिन मुख्यमंत्री पद की लालसा में गठबंधन टूट गया और शिवसेना ने वैचारिक मतभेदों के बावजूद कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी से गठबंधन कर सरकार चलाई।

हिन्दुत्व के कई मुद्दों पर उद्धव ठाकरे और गठबंधन सहयोगियों में कई बार टकराव देखने को मिला। जैसे-तैसे सरकार तो चलती रही लेकिन उद्धव ठाकरे की कार्यशैली को लेकर एकनाथ शिंदे ने विद्रोही बनकर ऐसी सेंध लगाई कि उन्होंने न केवल भाजपा के साथ मिलकर मुख्यमंत्री पद हासिल किया, बल्कि शिवसेना का चुनाव चिह्न तक छीन लिया। मुम्बई की जनता ने वर्क फ्रोम होम करने वाले नेताओं को पूरी तरह से नकार दिया। मुम्बई को गड्ढा मुक्त बनाने और विकसित महाराष्ट्र के संकल्प के लिए जमीनी नेताओं को ही लोगों ने प्राथमिकता दी। हिन्दुत्व की विचाराधारा से भटकाव उद्धव को महंगा पड़ा और राज ठाकरे से गठबंधन को मतदाताओं ने अवसरवादी गठबंधन ही करार दिया। फडणवीस की लाडकी बहन योजना ने भी महिलाओं को आकर्षित किया।

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

कोतवाली से 500 मीटर दूर घर में चोरी

मकर संक्रांति पर ससुराल गए व्यापारी के घर से नगदी, जेवर चोरी

तालगांव सीतापुर कोतवाली कस्बे में एक व्यापारी के घर चोरी हो गई। चोरों ने घर से 75,000 रुपये नकद, जेवर और महत्वपूर्ण दस्तावेज चुरा लिए। यह घटना कोतवाली से मात्र 500 मीटर की दूरी पर हुई। व्यापारी पंकज गुप्ता मकर संक्रांति के अवसर पर अपने ससुराल गए थे।

शनिवार को जब पंकज गुप्ता अपने घर लौटे, तो उन्होंने देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाने पर सारा सामान बिखरा हुआ था और अलमारी भी टूटी हुई थी। चोरों ने घर में रखी 75,000 रुपये की नगदी, एक मटर माला, एक झूलनी, आधार कार्ड और मोटरसाइकिल (UP34BK 6357) के कागजात चुरा लिए। पीड़ित पंकज गुप्ता एक गल्ला व्यापारी हैं। उन्होंने बताया कि चोरी हुई नगदी उनके व्यवसाय के लिए घर में रखी थी। पंकज ने यह भी बताया कि उनके छोटे बच्चे भी उनके साथ ससुराल गए थे और शुक्रवार को वापस आने का प्लान था, लेकिन ठंड के कारण वे नहीं आ पाए। तालगांव कोतवाली प्रभारी आशीष तिवारी ने बताया कि उन्हें चोरी की तहरीर मिल गई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तहसीलदार मंजुला मिश्रा की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न

महराजगंज, रायबरेली। तहसील सभागार में तहसीलदार मंजुला मिश्रा की अध्यक्षता में 'संपूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन संपन्न हुआ। समाधान दिवस में आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए गुणवत्तापूर्ण व त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में आई कुल 25 शिकायतों में पुलिस की 10, राजस्व 8, विकास की 2 व अन्य की 5 शिकायतें रही। जिनमें से मौके पर 7 शिकायतों का ही निस्तारण हो सका। शेष शिकायतों को समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को सौंप दिया गया है। तहसीलदार मंजुला मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जन समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस और राजस्व से जुड़े मामलों में स्थलीय निरीक्षण कर निष्पक्ष कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। समाधान दिवस के दौरान ही दूर दराज से आए एक दर्जन से अधिक फरियादियों को तहसीलदार मंजुला मिश्रा ने शासन द्वारा भेजे गए कम्बल भी वितरित किए। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार, खण्ड विकास अधिकारी वर्षा सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी राम मिलन, समेत कई सम्बंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सूचना

सफाई कर्मचारी सेवाओं के लिए, आर डब्ल्यू ए संजय विहार।

1. आर डब्ल्यू ए एनडी 250138 / आर डब्ल्यू ए स्थापना (स्टूसेल) दिनांक 12 अप्रैल 2024 के एस ओपी के अनुच्छेद 7 (बी) (i) और (ij) के अनुसार, ग्यारह (11) महीने की अवधि के लिए प्रतिदिन 5 (5) घंटे के आधार पर 04 (चार) सफाई कर्मचारियों की उपलब्धता हेतु योग्य और प्रतिष्ठित सेवा प्रदाताओं से सीलबंद कोटेशन आमंत्रित किए जाते हैं।

2. आर डब्ल्यू ए बोर्ड द्वारा सत्यापन और अनुमोदन के बाद, अनुबंध सबसे कम बोली लगाने वाले को दिया जाएगा। चयनित सेवा प्रदाता को अनुबंध पर हस्ताक्षर और सभी औपचारिकताओं के पूर्ण होने के एक सप्ताह के भीतर सेवाएं शुरू करनी होंगी। सीलबंद बोलियां मुख्य द्वार पर स्थित निविदा काउंटर पर सुबह 8:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक जमा करनी होंगी। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 22 जनवरी 2026 है।

3. सक्षम प्राधिकारी द्वारा मूल्यांकन और अनुमोदन के बाद अंतिम चयन 23 जनवरी 2026 तक किया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी आर डब्ल्यू ए संजय विहार कैंट लखनऊ

उफनाई नहर रिहायशी इलाकों में घुसा पानी, सैकड़ों बीघे फसल जलमग्न

● नहर विभाग की लापरवाही का आरोप, समुचित नहीं हुई नहर की साफ-सफाई

गेहूं सरसों सहित आलू की फसल हुई बर्बाद, किसान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के बाल्हेमऊ नहर पुलिया के पास शुक्रवार देर रात नहर का पानी अचानक उफनाकर गांवों में घुस गया। पानी का दबाव बढ़ने से नहर की कमजोर पटरी के ऊपर से पानी बहने लगा। इससे तीन गांवों में अफरा तफरी मच गई। करीब 500 घर पानी से प्रभावित हुए। लोगों का जनजीवन पूरी तरह अस्त व्यस्त हो गया। रात करीब 4 बजे नहर का पानी बाल्हेमऊ, प्रान सिंह, पूरे जगन्नाथ का पुरवा मंज़रे सहित आसपास के गांवों में भरने लगा। कई घरों में पानी घुस गया था। खेतों में भी पानी भर गया। सैकड़ों बीघे में खड़ी सरसों और गेहूं की फसल जलमग्न हो गई। किसानों को भारी नुकसान की आशंका है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी ने बताया कि उन्नाव शारदा नहर ब्रांच में बीते कई दिनों से पानी छोड़ा जा रहा था।

देर रात अचानक पानी का दबाव बढ़ गया। इसी दौरान पानी नहर की पटरी के ऊपर से बहने लगा। ग्रामीणों ने नहर विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि नहर की समय से सफाई नहीं की गई और नहर में पानी छोड़ दिया गया। सामचित तरीके से साफ सफाई होती तो नहर के पानी का दबाव इतना ना बढ़ता और पानी उफनाकर गांव में न भरता। ग्राम प्रधान ने ग्रामीणों की मदद से जेसीबी मशीन लगाकर क्षतिग्रस्त नहर पटरी को ठीक कराया इसके बाद पानी को रोका जा सका। नहर विभाग के अवर अभियंता सौरभ ने बताया कि इस संबंध में जानकारी मिली है और टीम लगाकर जेसीबी से मरम्मत कार्य कराया गया है। पानी को गांव की ओर बहने पर रोक लगा दी गई है।

रास्ते में रोकते हुए बेल्ट से मारपीट

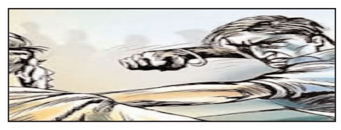

ललितपुर। मोहल्ला रामनगर में शान्ति निकेतन जू.हा.स्कूल के पास रहने वाले सुमित कुशवाहा पुत्र संतोष कुशवाहा ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि 15 जनवरी को शाम करीब 3 बजे वह अपने खेत से वापस घर जा रहा था, जहां रास्ते में खड़े इलाइट चौराहा के आगे, एच.पी.आर. निवासी आकाश कुशवाहा ने उसे रोक लिया और गालियां देने लगा। विरोध करने पर आकाश ने उसके साथ बेल्ट उतारकर मारपीट कर दी, जिससे उसे चोटें आयीं। आरोप है कि उक्त व्यक्ति उसे जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त आकाश के खिलाफ बीएनएस की धारा 126 (2), 352, 115 (2), 352 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

एडीएम की अध्यक्षता में तहसील समाधान दिवस संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। मलिहाबाद तहसील समाधान दिवस एडीएम राजकुमार मित्तल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस दौरान तहसील क्षेत्र से अवैध कब्जे से राजस्व और पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतें आयी।कनार निवासी सुनील कुमार ने बताया भूमि गाटा नम्बर 266 रकबा 0.605हे0 ग्राम कनार में भूमि के सम्बन्ध में एसडीएम के न्यायालय से वाद संख्या टी0202410460100022 सुनील कुमार बनाम सरजूदेई आदि के वाद मे अन्तिम डिग्री आदेश सितंबर माह को पारित कर दोनो पक्षो मे मध्य सरकारी बटवारा कर दिया गया है और आदेश के अनुपालन मे मेड बन्दी हेतु आदेशित किया गया है किन्तु अब तक मेड बन्दी नही हुई है।एडीएम ने तहसीलदार को निर्देशित किया।सहिलामऊ निवासी तहसीन बताया उनकी दो पुत्रियों नादिया बानो व सारिया बानो का जन्म प्रमाण पत्र जारी करवाने हेतु लगभग दो महीने पूर्व शपथ-पत्र दाखिल किया था किन्तु अभी तक नाबालिग पुत्रियों का जन्म प्रमाण पत्र जारी नही किया गया है। जिससे प्रार्थिनी को काफी परेशानी हो रही है। जब सचिव को कॉल करती है तो सचिव कॉल नहीं उठाते है।एडीएम ने जांचकर कार्यवाही के मार्क किया।तहसील के अधिवक्ताओं ने चैंबरों में हो रही चोरी को रोक लगाने व निगरानी के लिए तहसील परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगवाने की माँग की है।समाधान दिवस पर एसडीएम अंकित कुमार, तहसीलदार,एसीपी और अन्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने सीएचसी पहला का किया औचक निरीक्षण

● सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनी जनसमस्याएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद- सीतापुर। तहसील महमूदाबाद क्षेत्र में जिला अधिकारी डॉ. राजा गणपति आर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं, साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता तथा मरीजों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इसके उपरांत जिला अधिकारी तहसील महमूदाबाद में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे, जहां उन्होंने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। इस अवसर पर महमूदाबाद विधायक आशा मौर्या, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी दुर्गेश कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार, उपजिलाधिकारी महमूदाबाद बी.के. सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान भूमि विवाद, राजस्व, पुलिस एवं अन्य विभागों से जुड़ी जनसमस्याओं पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। जिला अधिकारी ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

मेरठ में निर्माणधीन मकान में ही घुस गए चोर, फिर लेकर चले गए ये सामान

मोदीपुरम। पल्लवपुरम थाना क्षेत्र की मधुर विहार कालोनी में चोरों ने एक निर्माणधीन में मकान पर धावा बोल दिया, जहां से कीमती सामान चोरी कर लिया। पीड़ित मकान स्वामी ने थाने में तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने 16 जनवरी को केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पल्लवपुरम निवासी गौरव शर्मा की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। जिसमें गौरव शर्मा ने बताया है कि उनका पल्लवपुरम फेस वन स्थित मधुर विहार कालोनी में मकान निर्माणधीन है। जहां 13 जनवरी की रात को चोरों ने धावा बोलकर बिजली के कीमती तार के बंडल और अन्य सामान चोरी कर लिया। चोरी हुए सामान की कीमत करीब डेढ़ से दो लाख आंकी की गई है। गौरव जब 14 जनवरी को मकान पर पहुंचे तो चोरी का पता चला। पड़ोस की लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। इंस्पेक्टर रमेश चंद शर्मा का कहना है की तहरीर पर केस दर्ज किया गया है। जल्द चोर को पड़कर चोरी का राजफाश किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ द्वारा ओम प्रकाश शर्मा अमर रहें श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के शिक्षक संघर्षो एवं उपलब्धियों के महानायक स्व0 ओम प्रकाश शर्मा की पांचवी पुण्य तिथि पर आज उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डा0 आर0पी0 मिश्र की अध्यक्षता में संगठन के केन्द्रीय कार्यालय 109 विधायक आवास, राजेन्द्र नगर, लखनऊ में श्रद्वान्जलि सभा का आयोजन किया गया। संगठन के प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डा0 आर0पी0 मिश्र एवं संगठन के महामंत्री नरेंद्र कुमार वर्मा ने स्व0 ओम प्रकाश शर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इसी के साथ प्रदेशीय मंत्री डा. आर.के. त्रिवेदी, सदस्य राज्य कार्यकारिणी डा. मीता श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा, जिलामंत्री महेश चंद्र, सदस्य राज्य परिषद विश्वजीत सिंह, संयुक्त मंत्री पुष्पेंद्र कुमार, क्षेत्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार शुक्ल, अनिल त्रिपाठी, कार्यालय प्रभारी रामचंद्र यादव एवं उपस्थित अन्य शिक्षकों ने स्व0 शर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा उनके साथ बिताए हुए क्षणों को याद कर श्रद्वान्जलि दी। शिक्षकों के मसीहा स्व0 ओम प्रकाश शर्मा ने जीवनपर्यन्त शिक्षकों के लिए संघर्ष किया और अन्तिम समय तक संघर्ष करते रहे। आज से पांच वर्ष पूर्व 16 जनवरी, 2021 को मेरठ में जिला विद्यालय निरीक्षक, कार्यालय में आयोजित धरना में भीषण ठन्ढ के बाद भी सम्मिलित हुए और उसी शाम सायं 07 बजे अपने आवास पर इस संसार से विदा ली। मेरठ की सभा में स्व0 शर्मा ने शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा था कि ''शून्य से कहाँ पहुंचे यह आप जाने और अब कहा रहना है यह भी आप जानें'। यह शिक्षकों के लिए नसीहत थी। स्व0 शर्मा के संघर्ष और उपलब्धियों से शिक्षकों को समाज में सम्मानजनक स्थान मिला है।श्रद्धांजलि सभा का संचालन जिलामंत्री महेश चन्द्र ने किया। स्वर्गीय ओम प्रकाश शर्मा? अमर रहे। डा. आर.पी. मिश्र प्रादेशिक उपाध्यक्ष/प्रवक्ता एवं संरक्षक, लखनऊ, डा. आर.के. त्रिवेदी प्रदेशीय मंत्री, अनिल शर्मा जिलाध्यक्ष, महेश चंद्र जिलामंत्री, आर.पी. सिंह कोषाध्यक्ष आलोक पाठक आय-व्यय निरीक्षक, डा. मीता श्रीवास्तव-सदस्य राज्य कार्यकारिणी उपस्थित रहे।

शिविर लगाकर ग्रामीणों को किया गया जागरूक

सिद्धार्थनगर। विकास खंड भनवापुर की ग्राम पंचायत कठौतिया राम में शनिवार को आरोह फाउंडेशन के तत्वावधान में वित्तीय साक्षरता शिविर सह ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य ग्राम सचिव हरिराम चौधरी ने की। ग्राम चौपाल के दौरान वित्तीय जागरूकता से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर एएफसी भनवापुर सहज़ाद अहमद ने ग्रामीणों को बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की जानकारी दी। साथ ही सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, जनधन योजना, अटल पेंशन योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, सुकन्या समृद्धि योजना सहित बैंक की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। सहज़ाद अहमद ने कहा कि आज के समय में वित्तीय जागरूकता बेहद आवश्यक है। सरकार एवं बैंकों की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति को लेना चाहिए। उन्होंने किसी भी प्रकार की बैंकिंग धोखाधड़ी होने पर तत्काल टोल फ्री नंबर 1930 एवं 155260 पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की। कार्यक्रम में हृदय सिंह, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर, मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान सहित ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने शिविर को उपयोगी बताते हुए ऐसे कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की मांग।

एमडीएस रॉयल रिजॉर्ट में 189 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न

● मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत भव्य आयोजन जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने दिया आशीर्वाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तुलसीपुर (बलरामपुर)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत तहसील तुलसीपुर स्थित एमडीएस रॉयल रिजॉर्ट में शनिवार को भव्य सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन के निर्देशन में सम्पन्न इस कार्यक्रम में 189 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। आयोजन को लेकर पूरे परिसर में उत्सव का माहौल रहा। कार्यक्रम में विधायक तुलसीपुर, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद एवं सफल दांपत्य जीवन की कामना की। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम प्रारंभ होने से पूर्व आयोजन स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने भोजन व्यवस्था, मंडप व मंच, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा एवं पार्किंग सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का परीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। आयोजन के दौरान जिलाधिकारी ने कई नवविवाहित जोड़ों एवं उनके परिजनों से संवाद कर व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी भी ली। जोड़ों व उनके परिजनों ने व्यवस्थाओं पर संतोष जताते हुए शासन-प्रशासन का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक बड़ा संबल साबित हो रही है। इस योजना के तहत पात्र परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक सामूहिक रूप से कराया जाता है। योजना अंतर्गत प्रति युगल कुल एक लाख रुपये की सहायता दी जाती है, जिसमें 60 हजार रुपये कन्या के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से, 25 हजार रुपये उपहार व गृहस्थी सामग्री के रूप में तथा 15 हजार रुपये विवाह आयोजन व व्यवस्थाओं पर व्यय किए जाते हैं। जिला प्रशासन ने बताया कि इसी क्रम में आगामी 20 जनवरी को तहसील उतरौला के शालीमार मैरिज लॉन तथा 24 जनवरी को तहसील बलरामपुर के माया होटल में सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। दोनों आयोजनों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित रूप से सुनिश्चित की जा रही हैं।

डेयरी में आयकर जांच तीसरे दिन भी जारी

● कागजात खंगालने में जुटी रही टीम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। नगर के फतेहपुर रोड पर कोतवाली गेट के सामने स्थित कोल्ड स्टोरेज परिसर में संचालित डेयरी में आयकर विभाग की जांच तीसरे दिन भी लगातार जारी रही। शुक्रवार की तरह शनिवार को भी अधिकारियों की टीम पूरे दिन परिसर में डटी रही। इस दौरान उन्होंने जरूरी दस्तावेजों की गहन जांच की। सूत्रों के मुताबिक आयकर विभाग की टीम ने आनंदा डेयरी से जुड़े वित्तीय कागजातों के साथ साथ कोल्ड स्टोरेज परिसर में स्थित अन्य इकाइयों के रिकॉर्ड भी खंगाले। उनकी आय व्यय से संबंधित फाइलें, लेन-देन के दस्तावेज और स्टॉक से जुड़े अभिलेखों की बारीकी से जांच की।

जांच को लेकर पूरे परिसर में सख्त निगरानी रखी गई। तीसरे दिन भी मीडिया कर्मियों को परिसर के भीतर प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। केवल दुग्ध वाहनों और ट्रांसपोर्ट से जुड़े लोगों को ही आने जाने दिया गया।

सुरक्षा व्यवस्था भी पहले की तरह कड़ी बनी रही। गेट पर सीआरपीएफ कर्मियों की तैनाती रही। जांच के दौरान कुछ अवकाश पर गए कर्मचारियों को उनके घरों से बुलाया गया। उनसे डेयरी और कोल्ड स्टोरेज के संचालन, लेन देन और दस्तावेजों को लेकर पूछताछ की गई। अधिकारियों ने कर्मचारियों से अलग अलग बिंदुओं पर जानकारी ली। आयकर विभाग की ओर से जांच को लेकर आधिकारिक रूप से कोई बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि जांच अभी आगे भी जारी रह सकती है। तीन दिनों से चल रही जांच को लेकर लोगों में तरह तरह की चर्चाएं बनी रही।

जांच टीम के एक अधिकारी की तबीयत बिगड़ी

डेयरी में छापामारी करने आई आयकर जांच टीम का नेतृत्व कर रहे एक अधिकारी की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर ने बताया कि अधिकारी तेज सिर दर्द और बुखार की शिकायत लेकर पहुंचे थे। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत में सुधार हुआ और उन्हें वापस भेज दिया गया।

गायों की कथित निर्मम हत्या का आरोप, गौ रक्षक दल से मारपीट का आरोप

● ट्रैक्टर चालक पर कुचलने की कोशिश का दावा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

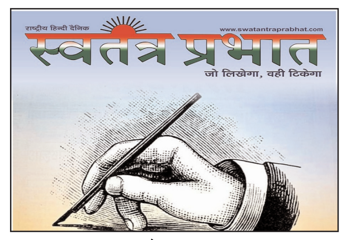

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र में गायों की कथित निर्मम हत्या का मामला सामने आया है। गौ रक्षक दल ने कुछ अराजक तत्वों पर मारपीट करने और ट्रैक्टर चालक द्वारा कुचलने का प्रयास करने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना शुक्रवार शाम करीब पांच बजे की बताई जा रही है।

गौ रक्षक दल का आरोप है कि एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में मृत और जिंदा गायों को एक साथ लादकर गौशाला से बाहर फेंकने के लिए ले जाया जा रहा था। इसी दौरान गौ रक्षक दल के कार्यकर्ता अतुल पंडित ने ट्रैक्टर-ट्रॉली का पीछा किया। आरोप है कि ट्रैक्टर चालक ने उन्हें कुचलने का प्रयास किया। बताया गया कि इसके बाद मौके पर पहुंचे कुछ अराजक तत्वों ने गौ रक्षक दल के कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में गौ रक्षक दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।

सूचना पर प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने गौ रक्षक दल के कार्यकर्ताओं से लिखित शिकायत देने को कहा और जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। गौ रक्षक दल के कार्यकर्ताओं ने मीठापुर के ग्राम प्रधान पर भी मारपीट में शामिल होने का आरोप लगाया है। फिलहाल मृत गायों को गड्ढा खोदकर दफनाया गया है। गौ रक्षक दल ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया गया तो वे आंदोलन और धरना प्रदर्शन करेंगे। वहीं प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है और जांच की जा रही है।

खरखौदा में बंदरों के आतंक ने जीना किया दूभर, हमले से दिनभर में सात लोगों को किया घायल

खरखौदा। कस्बे में बंदरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। बंदरों के हमले में शनिवार को सात लोग घायल हो गए। घायलों ने सीएचसी पहुंचकर उपचार कराया। बंदरों ने शनिवार को कस्बे में ब्लाक रोड पर रहने वाले मंदिर के पुजारी अयोध्या निवासी रमाकांत शर्मा और उनकी बहन सुषमा शर्मा को हमला कर घायल कर दिया। स्वजन ने उनकी चीख-पुकार सुनी तो किसी तरह उन्हें बचाया। सुबह के समय उन्हें उपचार दिलाया गया। कस्बावासियों ने बताया कि पांची निवासी राजमिस्त्री प्रमोद कुमार मंदिर में काम कर रहा था, जहां बंदरों के झुंड ने उस पर हमला कर घायल कर दिया। वहीं, कस्बे में ब्लाक रोड निवासी अनीता त्यागी, मोहित, कमलेश और वंश पर हमला कर घायल कर दिया। बंदरों के हमले से अन्य कई लोग घायल हुए हैं। इनमें से कई लोगों को बंदरों के झुंड ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। कस्बा निवासी व्यापारी नेता राजीव त्यागी ने वन विभाग से बंदर पकड़वाने की मांग की है। डीएफओ वंदना फोगाट का कहना है कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। जांच कर मामले में कार्रवाई की जाएगी।

आपदा से निपटना अब सिर्फ प्रशासन नहीं, हर नागरिक की ज़िम्मेदार- मॉक ड्रिल से बढ़ेगी जागरूकता

ब्लैकआउट मॉक ड्रिल से हर घर में पहुंचेगी आपदा प्रबंधन की सीख

ब्लैक आउट मॉक ड्रिल से प्रशासन परखेगा अपनी आपदा प्रबंधन क्षमता, जनपद में तैयारियां पूर्ण

जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने दिया सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश

ड्रिल के दौरान रहेगी बिजली आपूर्ति बाधित, नागरिकों से सहयोग की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही- जनपद भदोही में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिवस पर समस्त नागरिक सुरक्षा जनपद में ब्लैकआउट माक ड्रिल आयोजित करने की दृष्टिगत दृष्टिगत आपदा प्रबंधन की तैयारी और समन्वय की स्थिति को परखने के उद्देश्य से 23 जनवरी 2026 को शाम 6 बजे से ब्लैकआउट मॉक ड्रिल आयोजित की जा रही है। इस अभ्यास की तैयारियों की समीक्षा हेतु आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक में ड्रिल की कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया और सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

23 जनवरी 2026 कोमॉक ड्रिल पुलिस लाइन शाम 6 बजे आयोजित की जाएगी। उन्होंने आसपास के लोगों एवं नगर नगर वासियों से अपील किया है कि साइन 6:00 बजे से 5 मिनट पहले अपने-अपने घरों की लाइट इनवर्टर पूर्ण रूप से बंद कर दें सायरन का उद्देश्य नागरिकों को सतर्क करना है कि वे तत्काल सभी प्रकार के विद्युत स्रोत—जैसे घर की लाइट, इनवर्टर, जनरेटर, और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद कर दें, जिससे कि पूर्ण अंधकार सुनिश्चित हो सके और शत्रु के हवाई हमले की स्थिति में पहचान न की जा सके। इस दौरान आमजन को सड़क पर चलते समय अपने वाहन को तुरंत किनारे लगाकर बंद कर देना चाहिए तथा घर में रहते हुए सभी प्रकार की रोशनी बंद रखनी चाहिए।

ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का उद्देश्य जनपद में आपदा प्रबंधन के विभिन्न घटकों के बीच समन्वय की समीक्षा करना है। यह ड्रिल एक नियोजित आपातकालीन अभ्यास है जिसमें सभी विभागों, जनपद स्तरीय अधिकारियों, ब्लॉक एवं नगर स्तर के अधिकारीगण, आपदा प्रबंधन इकाइयाँ, नेहरू युवा केंद्र, उड़ान यूथ क्लब, माय भारत, एनसीसी, पुलिस विभाग, एयरफोर्स एवं अन्य एजेंसियाँ सक्रिय रूप से सम्मिलित होंगी। हवाई हमले की चेतावनी हेतु सायरन ध्वनित किया जाना (2 मिनट तक ऊंची-नीची आवाज में), सायरन ध्वनित होते ही सभी निर्धारित क्षेत्रों/स्थलों की विद्युत् व्यवस्था बाधित कर ब्लैक आउट करना। सायरन ध्वनित होने पर नागरिकों द्वारा सुरक्षित स्थान शेल्टरों में शरण लेना। हवाई हमला का खतरा समाप्त होने पर आल क्रियर ध्वनि में सायरन ध्वनित करना (2 मिनट तक ऊंची आयाज में)। हवाई हमले की चेतावनी समाप्त होने के उपरांत नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों द्वारा छोटी आग बुझाने हेतु फायर एक्सटिंगुशर का प्रयोग करना तथा फायर सर्विस द्वारा बड़ी आग बुझाने हेतु फायर टेंडर बेहिकल का प्रयोग करना। हमले के दौरान घायल हुए लोगों को नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों द्वारा प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करना। ध्वस्त/क्षतिग्रस्त बिल्डिंगों में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना।

जनसामान्य से अपील की जाती है कि इस मॉक ड्रिल के दौरान पूर्ण सहयोग प्रदान करें और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। यह अभ्यास केवल सुरक्षा एवं आपदा से निपटने की तैयारियों की जांच हेतु किया जा रहा है, ना कि किसी वास्तविक संकट की स्थिति में। अधिक जानकारी के लिए जिला प्रशासन संपर्क कर सकते हैं ब्लैकआउट मॉक ड्रिल एक ऐसा अभ्यास होता है जिसका उद्देश्य नागरिकों और प्रशासन दोनों की आपातकालीन परिस्थितियों, विशेष रूप से हवाई हमलों जैसी स्थितियों के लिए तैयारियों को परखना और सुधारना होता है। इस ड्रिल के दौरान बिजली की आपूर्ति को कुछ समय के लिए रोका जाता है ताकि वास्तविक हमले की स्थिति में नागरिकों को किस प्रकार से प्रतिक्रिया देनी है, इसका अभ्यास किया जा सके। यह अभ्यास यह सुनिश्चित करता है कि संपूर्ण जनपद के लोग, प्रशासनिक इकाइयाँ, आपदा प्रबंधन टीम, पुलिस, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य विभाग मिलकर त्वरित, सुरक्षित और समन्वित कार्य कर सकें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार एवं विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज

पीड़िता को धमकाने पर आरोपी के मित्र पर भी रिपोर्ट हुई दर्ज

कोंच(जालौन): शादी का झांसा देकर युवती के साथ बीते कई दिनों तक दुष्कर्म करने के आरोपी युवक के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की निवासी पीड़ित युवती ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि एमपी के भिंड जिले के थाना लहार क्षेत्र निवासी गौतम नाम के युवक ने उसके साथ शादी करने का आश्वासन देकर बीते कई दिनों तक बाहर शहरों में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया, और अब युक्त युवक उसके साथ शादी करने से मुकर गया है। पीड़ित युवती ने बताया कि उसने जब उक्त युवक के समक्ष विरोध जताया तो युवक के मित्र अभिलाख ने गाली गलौज कर उसे जान से मारने की धमकी दी। मामले को लेकर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाल अजीत कुमार सिंह का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है, जांच की जा रही है एवं आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अन्ना पशुओं की समस्या को लेकर सौंपा ज्ञापन

हमीरपुरः- मौदहा क्षेत्र के लगभग एक दर्जन से अधिक गावों के किसानों की हजारों बीघा खेतिहर जमीन को अन्ना पशुओं द्वारा बर्बाद की जा रही है जिसको लेकर भारतीय किसान यूनियन गैर राजनीतिक ने प्रदर्शन कर मुख्य विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा और बडे प्रदर्शन की बात कही। मौदहा विकासखण्ड क्षेत्र के भैंसता, गुरदहा, करहय्या, सिजनौडा, उरदना, घटकना सिजवाही और बिंवार थाना क्षेत्र के कुनेहटा, चिकसोना, न्यूरिया, कमोखर, करगांव, मुटनी, भुगैचा सहित अन्य गावों के किसानों की हजारों बीघा खेतिहर जमीन अन्ना गोवंश द्वारा चौपट की जा रही है जिसको लेकर किसान रातों जागकर फसलों की रखवाली कर रहे हैं इतना ही नहीं अक्सर यह हिंसक पशु किसानों को हमला कर घायल कर देते हैं जिसको लेकर यूनियन ने कई बार अधिकारियो को अवगत कराया है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी गैर जिम्मेदाराना रवैया अपना कर सिर्फ आश्वासन देते हैं। किसानों की मांग है कि यदि समस्या का जल्द समाधान नहीं होता है तो किसान उग्र प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे इस दौरान आशा प्रसाद, शिवपूजन निषाद, सुनील कुमार, नीलम देवी, सोनी देवी सहित लगभग आधा सैकडा से अधिक किसान मौजूद रहे।

कालपी तहसील में डीएम व एसपी ने सुनीं 49 शिकायतें, 17 का मौके पर निस्तारण

कालपी(जालौन)- जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार ने तहसील कालपी सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुना। जिले भर में आयोजित समाधान दिवस के दौरान राजस्व, विद्युत, नगर पालिका, पुलिस, जिला पूर्ति सहित अन्य विभागों से संबंधित कुल 113 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 38 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। तहसील उरई में 28 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 8 का निस्तारण किया गया। तहसील कालपी में 49 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 17 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील माधौगढ़ में 11 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 4 का निस्तारण किया गया। तहसील कोंच में 15 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 5 का निस्तारण किया गया। तहसील जालौन में 10 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 4 शिकायतों का निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने चकरोड से संबंधित प्राप्त शिकायतों को विशेष गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिए कि संबंधित विभागों की संयुक्त टीम मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करे। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि ही निस्तारण का वास्तविक मानक मानी जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस शासन की महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य आमजन को त्वरित न्याय एवं राहत प्रदान करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। समाधान दिवस में उपायुक्त उद्योग प्रभात यादव, अपर मुख्य अधिकारी एवं श्रम परिवर्तन अधिकारी जगदीश कुमार की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने एक दिन का वेतन काटने एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार ने पुलिस से संबंधित मामलों में निष्पक्ष जांच एवं त्वरित कार्यवाही के निर्देश देते हुए कहा कि आमजन के साथ संवेदनशील व्यवहार एवं त्वरित राहत सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

निर्माणाधीन नाले की दो दिन पहले बनी दीवार ढही, कांग्रेस नेता ने उठाए सवाल

● एसडीएम को शिकायती पत्र देकर जांच कर कार्यवाही की मांग की

नाले की सड़क साइड की दीवार ढह जाने को लेकर नगर पालिका की ईओ मोनिका उमराव ने कहा है कि नाला निर्माणाधीन है, जो दीवार गिरी है उसकी रिपोर्ट जेई से मांगी गई है। उक्त दीवार नई बनाई जाएगी और जेई की रिपोर्ट पर उचित कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- सरकारी लाखों करोड़ों रूपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों में लापरवाही, अनियमितता, भ्रष्टाचार की आए दिन घटनाएं देखने सुनने को मिल रहीं हैं और जिम्मेवारों द्वारा घटिया निर्माण कार्य से जुड़े लोगों पर ठोस कार्यवाही न किया जाना हैरत भरी बात है। ऐसा ही एक मामला धनुताल कोंच के समीप पालिका द्वारा निर्माणाधीन नाले की दीवार से जुड़ा सामने आया है।

कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष रामकिशोर पुरोहित ने शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम ज्योति सिंह को शिकायती पत्र देकर बताया कि राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत गांधीनगर में धनुताल के समीप मरई माता मंदिर से लेकर शनिदेव मंदिर तक नाला बनाया जा रहा है। नाले की सड़क साइड की एक दीवार दो दिन पूर्व ही बनाई गई थी, जो भरभराकर ढह गई है जो साबित कर रहा है कि निर्माण कार्य दोयम दर्जे का घटिया तरीके से किया जा रहा है।

पुरोहित ने इसके अलावा अपनी शिकायत में कहा कि इससे पहले भी धनुताल सौंदर्यीकरण कार्य के तहत बनाए गए खंभे भी 2-3 दिन में ही गिर गए थे और कान्हा गौशाला से संतोषी माता मंदिर तक बनने वाले नाले की एक साइड की दीवार भी नाला निर्माण पूर्ण होने से पहले ही गिर चुकी है। इन सबकी शिकायत उन्होंने की थी लेकिन किसी प्रकार की कोई जांच अमल में अब तक नहीं लाई जा सकी है। उन्होंने अब नई शिकायत पर जांच कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। वहीं कांग्रेस नेता ने आने वाले गर्मी के मौसम को देखते हुए फायर सब स्टेशन कोंच को अग्निशमन की दो अच्छी हालत की बड़ी गाड़ियां और दो छोटी गाड़ियों के पंप उपलब्ध कराए जाने की भी मांग करते हुए एक अलग से पत्र सौंपा है। पत्र में उन्होंने उल्लेख किया कि कुंभ मेले में कोंच की अग्निशमन की गाड़ियां भेजे जाने के बाद से वह गाड़ियां यहां पर वापस नहीं भेजी गई हैं जिससे बड़ी आबादी के लिहाज से कोंच तहसील क्षेत्र के किसान, व्यापारी आग की घटनाओं में पर परेशान हो रहे हैं।

कैलिया पुलिस ने दुष्कर्म के दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

कोंच(जालौन): सर्किल के थाना कैलिया पुलिस ने दुष्कर्म की अलग अलग घटनाओं में वांछित चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। उच्चाधिकारियों के निर्देशन में थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने पुलिस बल के साथ मिलकर शनिवार को वांछित आरोपी सुनील कुशवाहा पुत्र स्व. कलू निवासी ग्राम ब्योनाराजा को कूड़ा नहर पुल से और अर्जुन पुत्र राजेश पासवान निवासी ग्राम हथिया जिला आजमगढ़ को क्षेत्र के ग्राम बरोदा कलां गांव से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा दोनों को जेल भेज दिया गया है। अभियुक्त सुनील के विरुद्ध थाना क्षेत्र की एक पीड़िता ने दुष्कर्म करने और अभियुक्त अर्जुन के विरुद्ध नाबालिग किशोरी ने उसका अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस उक्त दोनों की सरगर्मी से तलाश कर रही थी, आखिरकार थानाध्यक्ष ने दोनों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

समाधान दिवस में अधिकारियों ने सुनी जन शिकायतें

कोंच(जालौन)- शनिवार को तहसील कोंच सभाकक्ष में आयोजित किए गए तहसील स्तरीय समाधान दिवस में एसडीएम ज्योति सिंह एवं सीओ परमेश्वर प्रसाद ने राजस्व, पुलिस, नगर पालिका, वन विभाग सहित अन्य कई विभागों से संबंधित जन शिकायतें सुनी। इस मौके पर कुल 15 शिकायतें दर्ज कराई गई जिनमें से मौके पर 5 शिकायतें ही निस्तारित की जा सकीं। एसडीएम को शिकायती पत्र देकर भगत सिंह नगर निवासी अरशद ने बताया कि घर के पास में एक नाला स्थित है। नाले की साफ सफाई न होने से गंदा पानी ओवरफ्लो होकर आम रास्ते में प्रवाहित हो रहा है जिससे गंदगी और दुर्गंध का सामना मुहल्ले के लोगों को करना पड़ रहा है। किष्किंधा मंदिर के पास रहने वाले अफजल अहमद, सोनू, सुरेन्द्र, आरिफ, सुनील आदि ने कच्चे रास्ते से होने वाली परेशानियों को लेकर शिकायत दर्ज कराई। वन विभाग के मजदूर राजकुमार, भवानी शंकर, बलराम, सुखदेई, छुन्ना आदि ने अपनी शिकायत में कहा कि वह घुसिया और खैराई स्थित नर्सरी में काम करते हैं, बीते 8 माह से उन्हें मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है जिससे आजीविका चलानी मुश्किल हो गई है। ग्राम अखनीबा की महिला प्रधान आशा देवी सहित ग्रामीण मृदुल, मोहन सिंह, सुशील कुमार, रामप्रकाश, सतीश कुमार, दिनेश कुमार आदि ने शिकायती पत्र देकर बताया कि गांव में बनी पानी की टंकी से जुड़ी पाइपलाइन में कई स्थानों पर लीकेज होने के कारण ग्रामीणों को शुद्ध और पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। हालात यह है कि टंकी से होने वाली जलापूर्ति का महज 60 प्रतिशत पानी ही ग्रामीणों के घरों तक पहुंच पा रहा है जबकि शेष पानी रास्ते में ही पाइपलाइन लीकेज के चलते बर्बाद हो रहा है। ग्रामीणों ने मामले को लेकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। एसडीएम ने सभी शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित विभागों के अधीनस्थ अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

सड़क के बीचों बीच खुले पड़े सीवर चैंबर में जा धंसी बच्चों की स्कूली वैन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- नगर में आम रास्ते के बीचों बीच खुले पड़े सीवर चेंबर में स्कूल वेन चली गई जिसमें दो बच्चे चुटहिल हो गए। बच्चों की चीखपुकार सुनकर मोहल्ले के लोग दौड़ पड़े और रोते बिलखते बच्चों को वेन से सुरक्षित बाहर निकलवाने के बाद वेन को निकलवाया। मोहल्ले वालों ने स्थानीय प्रशासन को सूचना दी तब कहीं जाकर जल संस्थान की नींद खुली और खुले पड़े चेंबर पर पत्थर डलवाया गया।

कस्बे के मोहल्ला प्रताप नगर में आनंदी माता मंदिर के पास बने सीवर चेंबर का ढक्कन शुक्रवार की रात अचानक टूट गया। ढक्कन टूटने के कारण चेंबर खुल गया जिससे वहां से गुजरने वाले राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और बच्चों के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया। संकरी सड़क होने के कारण वाहनों के आवागमन में भी परेशानी होने लगी। स्थानीय लोगों ने संभावित दुर्घटनाओं से बचाव के लिए अपने स्तर से खुले चेंबर के चारों ओर ईट-पत्थर रखकर अस्थायी घेराबंदी कर दी, ताकि कोई अनहोनी न हो सके लेकिन शनिवार की सुबह अचानक खुले पड़े सीवर चेंबर में बच्चों से भरी स्कूल वेन चली गई। बच्चों की चीखपुकार सुनकर मोहल्ले वाले

दौड़ पड़े और बच्चों को सुरक्षित बाहर निकलवाया। मोहल्ले वालों के मुताबिक कुछ बच्चों के चोटें भी आ गई। सूचना मिलते ही बच्चों के अभिभावक मौके पर पहुंच गए और बच्चों को अपने अपने घर ले गए। घटना के बाद लोगों में आक्रोश देखा गया और उन्होंने स्थानीय प्रशासन को सूचना दी। जिसके बाद जल संस्थान की टीम मौके पर पहुंची और खुले पड़े चेंबर के ऊपर एक चट्टान का टुकड़ा डलवा दिया गया। वह भी हादसों को दावत दे रहा है। मोहल्ले के रहने वाले पूर्व सभासद अमित रावत ने पांच दिन पहले ही स्थानीय प्रशासन को लिखित शिकायत देकर इस समस्या से अवगत कराया था लेकिन जल संस्थान विभाग की कुंभकर्णी नींद नहीं टूटी। अमित का कहना है कि तमाम शिकायतों के बाद भी अधिकारियों द्वारा मामले का संज्ञान नहीं लेना काफी गंभीर मामला है।

बेमतलब रहा समाधान दिवस,31 शिकायतों में मात्र दो का निस्तारण

हमीरपुरः- महीने के तीसरे शनिवार को साल के दूसरे समाधान दिवस पर कुल 31शिकायतें दर्ज की गई जिनमे सिर्फ दो शिकायतों का मौके पर निस्तारण हो सका, बाकी फरियादी मायोइस होकर लौट गए। महीने के तीसरे शनिवार को आयोजित साल के दूसरे सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी ने की इस दौरान कुल 31शिकायतें दर्ज की गई जिनमे अन्ना पशुओ से सम्बंधित शिकायतों के अलावा पारिवारिक और महिला हिंसा, बिजली, सिंचाई के लिए पानी, पुलिस के अतिरिक्त अवैध कब्जों से जुडे मामले अधिक दर्ज किए गए हालांकि दो शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया शेष शिकायतों को जल्द और गुणवत्ता पूर्ण तरीके से निस्तारण के लिए सम्बंधित अधिकारियों को भेजा जा रहा है। इस दौरान उपजिलाधिकारी कर्णवीर सिंह, क्षेत्राधिकारी राजकुमार पाण्डेय, तहसीलदार शिखर मिश्रा के साथ बिजली, शिक्षा, चिकित्सा, डूडा, नगरपालिका सहित अन्य विभागों के जिम्मेदार या उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे।

भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री धनेश तिवारी एवं आयुषी तिवारी के संक्रांति भोज में दही चुरा का प्रोग्राम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
प्रदीप यादव

नई दिल्ली, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा नेता विष्णु देव यादव, पूर्व दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता, वर्तमान मंडल अध्यक्ष जय गोविन्द पाठक,दिपाली कपूर, धर्मेंद्र सोलाकी, ने भाजपा नेता करोलबाग पूर्व जिला महामंत्री धनेश तिवारी, निगम प्रत्याशी आयुषी तिवारी, द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित दही, चूड़ा भोज में शिरकत की। इसका आयोजन जिला महामंत्री के निवास स्थान में किया गया। इस संक्रांति भोज में गणमान्य सहित अन्य लोग शामिल हुए और मिथिला के प्रसिद्ध दही चूड़ा का लुत्फ उठाया। जिला महामंत्री धनेश तिवारी ने मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से समाज में आपसी भाईचारा, सौहार्द और एकता का भाव मजबूत होता है। वहीं आयुषी तिवारी ने क्षेत्र की जनता के सहयोग और विश्वास के प्रति आभार प्रकट किया। भाजपा नेता विष्णु देव यादव ने कहा कि मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व है, जो मेल मिलाप और समाजिक समरसता का संदेश देता है।दही - चूडा भोज का आयोजन उत्साहपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मेयर एवं पूर्वांचल मोर्चा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विपिन बिहारी जी, पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ मनीष सिंह जी, करोलबाग जिले के भाजपा उपाध्यक्ष श्रीमती बीना शर्मा जी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रमिला चौधरी जी, सतीश शर्मा जी, मुकेश पांचाल जी, अनिल धवन जी, संतोष सिंह जी, संतोष

ठाकुर जी, रणजीत सिंह जी, प्रमिला साहू जी, RWA अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण शर्मा जी, अशोक यादव जी, जितेन्द्र पवार जी, श्री हेमराज जी, कप्तान सिंह जी, राजवीर पांडे जी, प्रति तिवारी जी, कमलेश गुप्ता जी, धर्मेंद्र सोलांकी जी, नरेंद्र डडवाल जी, अनिल धवन जी, सुरेश कुशवाहा जी, दुर्ग विजय नामक जी, विजय गोस्वामी जी, बलराम झा जी, सहित अन्य लोगों की सक्रिय भागीदारी रही।

दबंगों की गुंडई, ट्रेवल्स ऑफिस में घुसकर फायरिंग व मारपीट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई(जालौन)- कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार रात दबंगों की दबंगई सामने आई है। बेखौफ दबंग हमलावरों ने एक ट्रेवल्स ऑफिस संचालक और उसके साले पर जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। तमंचों से फायरिंग कर इलाके में दहशत फैलाई गई, जबकि लाठी-डंडों और हथियारों से मारपीट कर दोनों को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया।

पीड़ित सशेन्द्र राजपूत पुत्र वीरपाल राजपूत निवासी ग्राम कुइया थाना उरई, इंडियन पेट्रोल पंप के पास 'शताब्दी ट्रेवल्स' नाम से कार्यालय संचालित करते हैं। उनके साथ कार्यालय की देखरेख में साला लवकुश पुत्र गयाचरण निवासी ग्राम ददरी थाना आटा सहयोग करता है। पीड़ित के अनुसार 16 जनवरी की रात करीब 8 बजे तीन मोटरसाइकिलों पर सवार दबंग अचानक कार्यालय पहुंचे और गाली-गलौज के साथ हमला बोल दिया। आरोप है कि आरोपी तमंचे लेकर आए थे जिन्होंने सशेन्द्र पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया जिससे वह

बाल-बाल बच गया, और फिर उक्त दबंगों ने हवा में गोली चलाकर दहशत फैलाई। इसके बाद तमंचे की बट से सशेन्द्र के सिर पर वार कर उसे लहूलुहान कर दिया गया। वहीं लवकुश को कुल्हाड़ी के पिछले हिस्से से सिर पर मारा गया, जिससे वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर उरई कोतवाली पुलिस ने बीएनएस की धारा 109, 115(2), 190, 191(2), 191(3) व 351(3) में मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक हरिशंकर बाबू के अनुसार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

भूमाफिया के रसूख के चलते मण्डी की जल निकासी बाधित

हमीरपुरः- दबंग भूमाफिया ने गल्ला मंडी के बगल में बनाए गए व्यापारिक प्रतिष्ठान का नाला इतना ऊंचा बना दिया है कि मंडी परिसर का बारिश का पानी नहीं निकल पाता है। इसके लिए मंडी सचिव ने कई बार पत्राचार किया लेकिन भूमाफिया के रसूख के चलते नाला नहीं तोड़ा गया, जिससे आज भी मंडी में जल भराव की समस्या बनी रहती है। मंडी सचिव ब्रजेश कुमार निगम ने बताया कि मंडी परिसर की जल निकासी नाले के माध्यम से कस्बे के बस स्टैंड की ओर है। इस ओर मंडी के ठीक बगल में भूमाफिया मौलाना खान का व्यापारिक प्रतिष्ठान स्थापित है और उसने अपने प्रतिष्ठान के आगे जो नाला बनवाया है। वह मंडी नाला से काफी ऊंचा बनवा दिया है। जिससे मंडी का पानी नहीं निकल पाता है। इसके लिए उन्होंने कई बार उच्च अधिकारियों को पत्र लिखा है। लेकिन भूमाफिया के रसूख के चलते इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। जिससे बारिश के दौरान जल भराव से किसानों और व्यापारियों को समस्याओं से जूझना पड़ता है।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की इलाज दौरान मौत के बाद, ग्रामीणों और परिजनों ने सड़क पर शव रखकर लगाया जाम

● आने वाली चार फरवरी को है बहन की शादी, बीते शुक्रवार की शाम ही पत्नी ने दिया था पुत्र को जन्म

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- मौदहा थाना क्षेत्र के चकदहा गांव निवासी पुष्पेंद्र कुशवाहा(26)पुत्र राजाराम की बीते शुक्रवार रात कानपुर के एक अस्पताल में इलाज दौरान मौत हो गई।युवक बीती ग्यारह जनवरी को हुई सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल हो गया था, परिजन उसे इलाज के लिए कानपुर लेकर गए थे, जहां शुक्रवार रात उसकी मौत हो गई।

बताते चलें कि युवक मजदूरी करता है, जो बीती ग्यारह जनवरी को जब मौदहा से मजदूरी करके घर लौट रहा, उसी दौरान शाम लगभग साढ़े छः बजे मौदहा थाना क्षेत्र के चकदहा गांव से कुछ पहले एक तेज रफ्तार कार ने उसके ऑटो को टक्कर मार दी थी, जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गया था, ऑटो में सवार चकदहा गांव अन्य लगभग पांच लोग भी घायल हो गए थे। मृतक के भाई जितेन्द्र और उसके पिता और अन्य घायलों का आरोप है कि घटना के बाद वे मौदहा थाना प्राथमिकी दर्ज करवाने गए थे लेकिन पुलिस ने उनके साथ अच्छा वर्ताव नहीं किया और बगैर मामला दर्ज किए भगा दिया। वहीं युवक की मौत के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने शनिवार सुबह लगभग नौ बजे चकदहा गांव के अंदर से निकला मौदहा- इमिलिया मार्ग जाम कर दिया। लोगों की मांग थी कि आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए और मृतक के परिवार को आर्थिक मदद दी जाए।आरोपी वाहन मालिक बिवांर थाना की कुन्हेटा चौकी क्षेत्र के बिगहना गांव का शुभकरन सिंह उर्फ लाला बताया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि वह टक्कर मारने के बाद संवेदनहीनता दिखाते हुए भाग निकला था।

जाम की सूचना पर मौदहा एसडीएम और सीओ मौके पर पहुंच गए थे, जो लोगों को समझाने का प्रयास करते रहे। एसडीम करनवीर सिंह ने मृतक के परिजनों को आश्वासन दिया कि मृतक के नाम भूमि ना होने के बावजूद उसके वारिस को कृषि निवेश बीमा का 5 लाख का लाभ दिलाया जाएगा तब जाकर बड़े मशक्कत के बाद जाम खुल सका

द्य और अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

मृतक की मौत के बाद परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा है। मृतक तीन भाई और दो बहनें हैं ,जिनमें से वह सबसे बड़ा था। उसका मंझला भाई पंकज जो मौदहा कक्षा11की पढ़ाई करता है द्य वही दूसरा भाई जितेन्द्र मौदहा के गांधी विद्यालय में हाईस्कूल का छात्र है द्य युवक की पिछले साल ही शादी हुई थी और बीते शुक्रवार की रात ही उसकी पत्नी ज्ञानदेवी ने पुत्र को जन्म दिया था।वहीं बहन की भी आगामी चार दिसम्बर को शादी होनी है, जिसकी तैयारियां पूरी हो चुकीं थीं। परिजनों के अनुसार इलाज में लगभग पांच लाख खर्च हो चुके हैं, अब शादी कैसे होगी।परिवार की माली हालत भी अच्छी नहीं है, मजदूरी से भरण पोषण होता है।

चौपाल में पंचायत सचिव और सदस्यों में मारपीट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- मुस्करा विकासखण्ड के करगांव गांव में शुक्रवार दोपहर दो बजे के गांव की चौपाल में पंचायत सदस्य कोटेदार की सचिव से सीसी सड़क का ब्यौरा मांगने को लेकर विवाद के बाद हाथापाई हो गई। मारपीट का वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। जिसकी अमर-उजाला पुष्टि नहीं करता है। बताते चलें कि करगांव में शुक्रवार के दिन चौपाल का आयोजन किया गया था। चौपाल में अजीत कुमार पुत्र दयाराम (सचिव) उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त ग्राम के कोटेदार राम लखन प्रजापति पुत्र मुलवा, विजय पुत्र सुखदेव तथा अन्य ग्रामीणजन मौजूद थे। ग्राम चौपाल के दौरान ग्राम कोटेदार राम लखन प्रजापति द्वारा सचिव से सीसी रोड के निर्माण कार्य को संतोषजनक ढंग से न कराए जाने के संबंध में शिकायत की जा रही थी। इसी दौरान

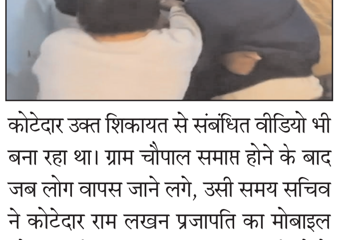

कोटेदार उक्त शिकायत से संबंधित वीडियो भी बना रहा था। ग्राम चौपाल समाप्त होने के बाद जब लोग वापस जाने लगे, उसी समय सचिव ने कोटेदार राम लखन प्रजापति का मोबाइल फोन छीनने का प्रयास किया , जिससे दोनों पक्षों के बीच छीना-झपटी हुई। इसी घटनाक्रम से सम्बन्धित वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में थाना बिवांर पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।थाना प्रभारी नन्दराम ने बताया कि किसी की तहरीर नहीं मिली है, दोनों पक्षों ने आकर मौखिक घटना बताई है, कहा तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस ने वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पिपरहिया टोला घोड़हिया निवासी वीर बहादूर उर्फ मुन्ना पुत्र प्रवेश स्थानीय थाने पर धारा 137(2), 87, 65(1) बीएनएस व 4 (2) पाक्सो एक्ट आदि धाराओं में वांछित चल रहा था। पुलिस वांछित आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर खोजबीन में जुटी हुई थी। वहीं शनिवार की शाम वरिष्ठ उपनिरीक्षक महेन्द्र बहादुर सिंह, महिला उपनिरीक्षक संजू गौड़ व महिला कांस्टेबल अनुराधा शुक्ला ने वांछित आरोपी वीर बहादुर उर्फ मुन्ना को उसके घर पिपरहिया टोला घोड़हिया से गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाने आई तत्पश्चात कागजी कार्यवाही के बाद उसे जेल भेज दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष अभय नारायण सिंह ने बताया कि वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर कागजी कार्यवाही के बाद न्यायालय भेजा गया है।

शिवपति पीजी कॉलेज शोहरतगढ़ में डिजिटल युग में नशा एवं चुनौतियाँ और समाधान विषयक संगोष्ठी आयोजित

● डिजिटल युग में रील्स की लत युवाओं को आधुनिक नशे का दे रहा रूप

शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित गोष्ठी में डिजिटल युग में नशा एवं चुनौतियाँ पर लोगों की सम्बोधित करते प्राचार्य प्रो. अरविंद कुमार सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शनिवार को एनएसएस द्वारा डिजिटल युग में नशा एवं चुनौतियाँ और समाधान विषयक संगोष्ठी आयोजित किया गया। प्राचार्य प्रो. अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान युग डिजिटल क्रांति का युग है, जहाँ तकनीक ने जीवन को सहज बनाया है, वहीं इसके दुरुपयोग ने नई प्रकार की लतों को जन्म दिया है।

उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग, सोशल मीडिया, वेब सीरीज, और रील्स की लत को आधुनिक नशे का रूप बताया, जो युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य, एकाग्रता, सामाजिक संबंधों और शारीरिक गतिविधियों को प्रभावित कर रही है। कहा कि यह नशा धीरे-धीरे व्यक्ति को आभासी दुनिया में कैद कर देता है, जिससे उसका आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सामाजिक सहभागिता क्षीण होती जाती है। प्रो. सिंह ने समाधान के रूप में डिजिटल डिटॉक्स, समय प्रबंधन, परिवार और समाज के साथ संवाद, तथा रचनात्मक गतिविधियों में भागीदारी को आवश्यक बताया। कहा कि अभिभावकों, शिक्षकों और समाज को मिलकर युवाओं को डिजिटल संतुलन की ओर प्रेरित करना होगा। शैक्षणिक संस्थानों में डिजिटल साक्षरता के साथ-साथ डिजिटल नैतिकता की शिक्षा भी दी जानी चाहिए, ताकि छात्र तकनीक का उपयोग साधन के रूप में करें, साध्य के रूप में नहीं। इस दौरान मेजर मुकेश कुमार, डॉ. ए. के. सिंह, डॉ. धर्मेंद्र सिंह, प्रो. सुशील कुमार, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. अखिलेश शर्मा, डॉ. राम किशोर सिंह एवं डॉ. प्रवीण कुमार आदि मौजूद रहे।

जखौली के समीप हाईवे पर प्याज से भरा ट्रक पलटा, कुचलने से 3 की मौत, 2 घायल

डीएम एसपी पहुंचे मौके पर, संभाले हालात

उरई (जालौन)- एनएचएआई-27 पर ग्राम जखौली के समीप शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। नासिक से कानपुर जा रहा प्याज से भरा एक ट्रक अचानक टायर फटने से अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पांच व्यक्तियों पर चढ़ गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए जिन्हें तत्काल राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। उपचार के उपरांत दोनों घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार तत्काल ही मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने स्वयं ग्रामीणों के साथ मिलकर सड़क पर बिखरी प्याज की बोरियों को हटवाया। ट्रक से प्याज की बोरियां हाइवे पर फैल जाने के कारण कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, जिसे प्रशासनिक प्रयासों से लगभग 20 मिनट में सामान्य कर दिया गया। हादसे में मृतकों की पहचान माया देवी (46 वर्ष) पत्नी अनंतराम निवासी जखौली तथा लौंगश्री (45 वर्ष) पत्नी बलबान निवासी उसरगांव कालपी के रूप में हुई है। तीसरे मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है, अनुमान लगाया जा रहा है कि वह ट्रक चालक हो सकता है। दुर्घटना में बंदना (18 वर्ष) पुत्री बलवान तथा अरमान पुत्र जयवीर घायल हुए हैं। प्रशासन द्वारा घटना के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है तथा शेष मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं।